राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, २३मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -५९ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब सब मिलकर बचाएंगे जल, तभी तो सुनहरा होगा कल

नई दिल्ली। दशकों से भारत का जल प्रबंधन गैर टिकाऊ रास्ते पर है। जिसके चलते पेयजल, कुकिंग और साफ-सफाई जैसी मूल इंसानी जरूरतों के लिए ही नहीं, औद्योगिक, व्यावसायिक, कृषि और पर्यावरणीय उद्देश्यों के लिए भी उपयुक्त गुणवत्ता वाला जल उपलब्ध नहीं हो रहा है। देश का कोई भी एक शहरी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां सीधे सार्वजनिक आपूर्ति वाले पानी का इस्तेमाल किया जा सके। आजादी के समय भारत की 36.1 करोड़ आबादी आज 138 करोड़ हो चुकी है। 2050 तक इसके 164 करोड़ हो जाने के अनुमान हैं। जिस गति से यहां आबादी में तेज वृद्धि हुई वैसे ही आर्थिक गतिविधियों और शहरीकरण में इजाफे का अनुपात बढ़ा। सभी इंसानी गतिविधियों के लिए पानी की दरकार है। जब आबादी, शहरीकरण और आर्थिक गतिविधियों बढ़ती हैं तो उसी अनुपात में जल की जरूरत भी बढ़ती है। विडंबना यह हुई कि जल प्रबंधन के अभाव में इसकी गुणवत्ता तेजी से गिरती गई। लगातार अपने खराब जल प्रबंधन के चलते देश की वर्तमान पीढ़ी जल संकट के सबसे खराब दौर से गुजर रही है। कम होते पानी और खराब होती इसकी गुणवत्ता के प्रति उदासीनता ने यह तस्वीर बना दी है कि देश के 10 फीसद से कम घरेलू और औद्योगिक पानी का ही शोधन संभव हो पा रहा है। अधिकांश जमीन पर मौजूद और भूजल स्नोत प्रदूषित हो चुके हैं। सिंगापुर जैसे देश लोगों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए लगातार 352 जल गुणवत्ता वाले मानकों की निगरानी करते हैं। दुर्भाग्य से भारत में कुछ ही जगह ऐसी हैं जहां सिर्फ 25 मानकों पर गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। चीन जैसे अन्य विकासशील देश अपने पानी के 112 गुणवत्ता मानकों की निगरानी करते हैं। देश की नदियों को साफ करने के लिए करोड़ों रुपये बर्बाद हो चुके हैं लेकिन वे पहले से ज्यादा प्रदूषित हैं। भूजल की गुणवत्ता सतह पर मौजूद जल से अधिक खराब हो चुकी है।

फिर लॉकडाउन की जरूरत ?

तब 360 केसों पर लगा था जनता कर्फ्यू, अब एक दिन में मिल रहे 50,000 के करीब केस

नई दिल्ली। बीते दो सप्ताह से कोरोना के मामलों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। सोमवार को सामने आए आंकड़े में बीते एक दिन में 46,951 केस मिलने की बात सामने आई है। पिछले साल आज ही के दिन यानी 22 मार्च को पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर जनता कर्फ्यू लगा था और यही महीनों चले लॉकडाउन के ट्रेलर जैसा था। उस दौर की बात करें तो भारत में तब कोरोना ने दस्तक दी ही थी और 21 मार्च, 2020 तक 360 केस सामने आए थे। इनमें भी 41 मामले विदेशियों के थे। उसी दौर में पीएम नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ्यू की अपील की थी, जिसे जनता ने पूरा सहयोग दिया था। देश भर में सड़कें पूरी तरह सूनी पड़ी थीं और लोग अपने घरों में थे ताकि कोरोना बाहर ही रहे। लेकिन अब नई लहर पिछले साल से भी ज्यादा कहर बरपाती दिख रही है, जिसने एक बार फिर से 2020 में लगी पाबंदियों के दिनों की यादें ताजा कर दी हैं। जनता कर्फ्यू के एक साल पूरा होने के मौके पर यह जानना जरूरी

● महाराष्ट्र में ही देश भर के 60 फीसदी के करीब मामले हर दिन मिल रहे हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहर कोरोना के हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं। भले ही बीते साल की तरह फिलहाल किसी जनता कर्फ्यू या लॉकडाउन का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पाबंदियों के दिन लौटते हुए जरूर दिख रहे हैं। एक तरफ पंजाब के 11 शहरों में नाइट कर्फ्यू समेत कई पाबंदियां हैं तो राजस्थान में किसी भी बाहरी शख्स को एंट्री तभी मिलेगी, जब उसके पास कोरोना निगेटिव रिपोर्ट हो। यही नहीं मध्य प्रदेश ने भी राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर में नाइट कर्फ्यू लगाया है। कई राज्यों में प्राइमरी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

है कि आखिर कोरोना से जंग में हम कहां तक पहुंचे हैं। पिछले साल जनता कर्फ्यू लगने से पहले तक देश में सिर्फ 360 केस थे, जो आंकड़ा अब बढ़कर 1,16,46,081 पहुंच गया है। इसके अलावा एक्टिव केसों की बात करें तो अकेले महाराष्ट्र में ही आंकड़ा 2 लाख के पार है और देश भर में फिलहाल 3,34,646 लाख लोग कोरोना संक्रमित हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र समेत 6 राज्यों में स्थिति चिंताजनक है और एक बार फिर से कोरोना विस्फोटक होता दिख रहा है। मंत्रालय के मुताबिक महाराष्ट्र, पंजाब, केरल, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश में देश के कुल कोरोना केसों के 86 फीसदी मामले हैं। अब तक देश भर में 1 करोड़ 16 लाख से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं, जबकि 3 लाख से ज्यादा एक्टिव केस अब भी हैं।

खासतौर पर महाराष्ट्र में ही देश भर के 60 फीसदी के करीब मामले हर दिन मिल रहे हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहर कोरोना के हॉटस्पॉट बनकर उभरे हैं। भले ही बीते साल की तरह फिलहाल किसी जनता कर्फ्यू या लॉकडाउन का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन पाबंदियों के दिन लौटते हुए जरूर दिख रहे हैं। एक तरफ पंजाब के 11 शहरों में नाइट कर्फ्यू समेत कई पाबंदियां हैं तो राजस्थान में किसी भी बाहरी शख्स को एंट्री तभी मिलेगी, जब उसके पास कोरोना निगेटिव रिपोर्ट हो। यही नहीं मध्य प्रदेश ने भी राजधानी भोपाल के अलावा इंदौर में नाइट कर्फ्यू लगाया है। कई राज्यों में प्राइमरी स्कूलों को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

महाराष्ट्र से पंजाब तक कहीं नाइट कर्फ्यू, कहीं धारा 144- महाराष्ट्र के नागपुर में 21 मार्च तक के लिए लॉकडाउन लगाया गया था और अब पाबंदियों को 31 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया है। यही नहीं महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे कई बार यह दोहरा चुके हैं कि यदि हालात न सुधरे तो लॉकडाउन ही विकल्प हो सकता है। गुजरात के भी अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत जैसे शहरों में नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया गया है और सरकारी बसों के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

कहीं नाइट कर्फ्यू तो कहीं धारा 144 लगी- पंजाब में तो दिन में 11 बजे से 12 बजे तक के बीच सड़कों पर सभी वाहनों पर रोक का फैसला लिया गया है। भले ही अभी देश भर में किसी पाबंदी का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन हालात बिगड़ते रहे तो राज्यों की ओर से सख्ती के दिन फिर सै लौट सकते हैं। वहीं यूपी सरकार ने दिल्ली से सटे नोएडा और गाजिबायाद जैसे महानगरों में धारा 144 लागू कर दी है ताकि भीड़ जुटने से रोका जा सके।

रमजान में कोरोना वैक्सीन लेने से टूट जाएगा रोजा?

नई दिल्ली। अगले महीने मुस्लिमों का पाक पर्व रमजान शुरू हो रहा है। 12-13 अप्रैल से शुरू होने वाले रमजान से पहले इस बात पर बहस शुरू हो गई है कि क्या कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाने से रोजा टूट जाएगा? यह संशय बना हुआ है कि क्या रमजान में यानी रोजा के दौरान वैक्सीन से उनका रोजा तो बाधित नहीं होगा? मुस्लिम देशों में उठ रहे इन सवालों के बीच सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्ती ने संशय को खत्म किया है। सऊदी अरब के ग्रैंड मुफ्ती ने कहा कि रोजे के दौरान वैक्सीन लगवाने से उनका रोजा नहीं टूटेगा। अरब न्यूज के मुताबिक, रमजान के पाक महीने से ठीक पहले सऊदी के शेख अब्दुल अजीज अल-अशेख ने कहा कि रोजा करते समय कोरोना वायरस वैक्सीन प्राप्त करना रोजा को अमान्य नहीं करता है। उन्होंने कहा, 'कोरोना वायरस वैक्सीन से रोजा रखने वाले व्यक्ति का रोजा नहीं टूटेगा क्योंकि यह खाना या ड्रिंक नहीं माना जाता है। वैक्सीन को शरीर के अंदर लगाया जाता है, इसलिए इससे रोजा नहीं टूटेगा।' गौरतलब है कि मुफ्ती की इस सफाई से करोड़ों मुस्लिमों के मन की उस शंका का जवाब मिल गया है जो अब तक रोजा में वैक्सीन लेने को लेकर संशय में थे। बता दें कि इस साल रमजान का पाक महीना 12 या 13 अप्रैल से शुरू हो सकता है। इन दोनों दिनों में से किसी एक का निर्धारन चांद देखने के आधार पर ही होगा। इधर, मुस्लिमों के बीच इस बात को लेकर भी संशय है कि क्या कोरोना की वैक्सीन में पोर्क का इस्तेमाल किया गया है? हालांकि एस्ट्राजेनेका ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके कोविड-19 के टीके में पोर्क के किसी अंश का इस्तेमाल नहीं किया गया है। एस्ट्राजेनेका ने कहा कि मुसलमानों को इस संबंध में तनिक भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। दुनिया में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश इंडोनेशिया ने वैक्सीन में पोर्क होने का दावा किया था। इंडोनेशिया के उलेमा काउंसिल ने टीके में पोर्क के इस्तेमाल होने का दावा किया।

जनता कर्फ्यू का एक साल-दवा के बाद भी क्यों लगातार बढ़ रहा कोरोना का मर्ज

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग की आधिकारिक शुरुआत आज ही के दिन जनता कर्फ्यू से हुई थी। कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच 22 मार्च 2020 को पीएम मोदी ने जनता कर्फ्यू का ऐलान किया था और लोगों को अपने घरों में 'कैद' हो जाने को कहा था। लॉकडाउन का ट्रायल कहे जाने वाले इसी जनता कर्फ्यू ने देश को एक झलक दे दी थी कि भारतवासियों को कोरोना से बचाने के लिए कुछ दिन तक घरों में सुरक्षित रखा जा सकता है। इसके बाद पूरा देश महीनों तक लॉकडाउन में रहा और वैक्सीन का इंतजार करता रहा। आज भारत के पास दो-दो वैक्सीन हैं और टीकाकरण की रफ्तार भी काफी तेज है, मगर चिंता की बात है कि फिर भी कोरोना का मर्ज बढ़ता ही जा रहा है। ऐसी उम्मीद थी कि वैक्सीन आने के बाद भारत से कोरोना छूमंतर हो जाएगा, मगर ऐसा होता दिख नहीं रहा है। दरअसल, कोरोना के मामले साल 2021 भी 2020 की तरह ही आगे बढ़ता दिख रहा है। महाराष्ट्र से लेकर पंजाब और कर्नाटक में कोरोना वायरस की दूसरी लहर देखने को मिल रही है। सभी परेशान हैं कि आखिर कोरोना

वायरस की वैक्सीन आने के बाद भी इसके मामलों में लगातार वृद्धि क्यों हो रही है? क्यों फिर से कोरोना पुराने रंग में दिख रहा है और दिन-प्रतिदिन ताकतवर हो रहा है? लेकिन यहां इस सवाल का जवाब भी हर किसी को मालूम है। कोरोना वायरस के मामलों में अचानक वृद्धि का प्रमुख कारण है लोगों की लापरवाही। वैक्सीन आने के बाद लोग कोरोना के खिलाफ जंग में ढीले पड़ गए हैं, लोगों को यह गलतफहमी हो गई कि वैक्सीन आ गई है तो अब कोरोना उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। सरकार ने भी माना है कि लोगों की लापरवाही ने कोरोना को ताकतवर होने का मौका दिया है। इसके अलावा, कोरोना वायरस के दोबारा सिर उठाने के पीछे कई कारण हैं। एक तो लोग अब कोरोना गाइडलाइन्स को फॉलो नहीं कर पा रहे हैं। वैक्सीन आने से पहले जिस तरह से लोग मास्क का इस्तेमाल किया करते थे, हैंड सैनिटाइज किया करते और सोशल डिस्टेंसिंग को मेंटेन रखा करते थे, अब वैसी गंभीरता नहीं दिख रही है। वैक्सीन आने के बाद लोगों ने कोरोना को फॉर ग्रांटेड ले लिया है। जिसकी वजह से लोग फिर से पहले की तरह संक्रमित होने लगे हैं। इसके अलावा, लंबे समय तक जारी कोरोना पाबंदियों के बाद जब देश अनलॉक हुआ तो शादी-समारोह और अन्य फंक्शनों की बाढ़ आ गई। शादी-समारोहों में लोग महामारी के पहले की तरह आने-जाने लगे।

मणिपाल इंस्टीट्यूट के कैंपस में 146 छात्र कोरोना वायरस संक्रमित, 5800 स्टूडेंट्स क्वारंटाइन में

नई दिल्ली। मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैंपस में कोरोना वायरस के नए मामले नहीं थम रहे हैं। पहले से कंटेनमेंट जोन घोषित यहां के कैंपस में अब कोरोना संक्रमित छात्रों की संख्या 146 पहुंच गई है। इससे पहले इस कैंपस में कोरोना वायरस के 59 मामले सामने आए थे जिसके बाद इसे कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया था। बता दें कि यह कैंपस कर्नाटक के उडुपी जिले में स्थित है और बेंगलुरु से 400 किलोमीटर की दूरी पर है। जिले के नोडल अधिकारी डॉ प्रशांत भट ने शनिवार को कहा कि एमआईटी में 146 छात्र कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे कैंपस के लगभग 5,800 छात्रों को क्वारंटाइन में रखा गया है और उनकी निगरानी की जा रही है। बता दें कि उडुपी जिले में पिछले साल भी कोरोना मामलों में वृद्धि देखने को मिली थी। भट ने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक छात्र मार्च के दूसरे सप्ताह में कैंपस पहुंचे थे। हालांकि, कक्षाएं ऑनलाइन चल रही थीं लेकिन

एक परीक्षा थी जिसके लिए पूरे भारत से छात्र कैंपस पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि शायद कुछ महाराष्ट्र और केरल से भी आए थे। इसलिए, हमें संदेह है कि संक्रमण का स्रोत महाराष्ट्र या केरल हो सकता है।

वैक्सीन के लिए सरकारी अस्पताल हैं दिल्लीवालों की पहली पसंद, आंकड़ों में जानें प्राइवेट सेंटर्स का हाल

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में वापस आई तेजी हर दिन डरा रही है। इस बीच टीकाकरण अभियान भी तेज है। दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के कोविड -19 टीकाकरण केंद्रों में निजी अस्पतालों की तुलना में अधिक लोग टीका लगवा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य सरकार के अधिकारियों ने अस्पतालों और क्लीनिकों में उनके द्वारा संचालित केंद्रों पर टीकाकरण की संख्या बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि यह अंतर और अधिक होगा क्योंकि सोमवार से चार घंटे तक ऑन-स्पॉट पंजीकरण के लिए खिड़की खुली रहेगी।

देखे गए आंकड़ों से पता चला है कि 15 मार्च को सरकारी अस्पतालों में टीकाकरण केंद्रो टीका लेने वाले लोगों की दर 64 प्रतिशत थी।जबकि निजी में यह 72 प्रतिशत थी। हालांकि, अगले दिन से आंकड़े बदल गए। 16 मार्च को, सरकारी अस्पतालों में 65 प्रतिशत लोगों के मुकाबले निजी में 61 प्रतिशत ने टीका लगवाया। 17 मार्च को, सरकारी साइटों पर 69 प्रतिशत लोग टीका लेने पहुंचे जबकि निजी अस्पतालों में 54 प्रतिशत। अगले दिन सरकारी अस्पताल में ये 72 प्रतिशत और निजी में 49 प्रतिशत हो गया। इधर, भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, केंद्र सरकार ने कोरोना वैक्सीन के 12 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया है। सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को खुराक का आदेश दिया है। बता दें कि सरकार का ये फैसला ऐसे समय में आया है जब देश में कोरोना वायरस एक बार फिर पैर पसार रहा है। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह वायरस की एक नई लहर हो सकती है जिसे देश के कई हिस्सों में देखा जा रहा है।

परमबीर आपके 'डार्लिंग' बन गए हैं...शिवसेना ने भाजपा को चेताया- सरकार गिराने की कोशिश करोगे तो आग लगेगी

मुंबई। एंटीलिया-सचिन वाझे केस में मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लेटर बम से महाराष्ट्र की सियासत में घमासान जारी है। अनिल देशमुख विपक्ष की रडार पर हैं और भाजपा के आरोपों का काउंटर कैसे किया जाएगा, इस पर आज शिवसेना और एनसीपी बैठक में मंथन करने वाले हैं। इस बीच शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए पलटवार किया है और सवाल किया है कि परमबीर सिंह की चिट्ठी कहीं किसी की साजिश तो नहीं। शिवसेना ने कहा है कि जिस परमबीर सिंह पर कल तक भाजपा भरोसा नहीं रख रही थी, उसी परमबीर सिंह को बीजेपी सिर पर बैठाकर क्यों नाच रही है। साथ ही भाजपा को चेताया है कि सरकार गिराने की कोशिश करोगे तो आग लगेगी। मुखपत्र 'सामना' में शिवसेना ने परमबीर सिंह के पत्र पर सवाल खड़े किए हैं और पूछा है कि परमबीर सिंह के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई की है इसलिए उनकी भावनाओं का विस्फोट समझ सकते हैं। मगर सरकारी सेवा में अत्यंत वरिष्ठ पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा ऐसा पत्राचार करना नियमोचित है क्या? गृहमंत्री पर आरोप लगाने वाला पत्र मुख्यमंत्री को लिखा जाए और उसे प्रसार माध्यमों तक पहुंचा दिया जाए, यह अनुशासन के तहत उचित नहीं है। परमबीर सिंह का दावा है कि अनिल देशमुख ने उन्हें 100 करोड़ की वसूली का टारगेट दिया था,

परमबीर सिंह का इस्तेमाल इसी तरह से किया जा रहा है, यह अब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अर्थात पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने जो आरोपों की धूल उड़ाई है, उसके कारण गृह विभाग की छवि निश्चित ही मलीन हुई है।

मगर सवाल ये है कि बीते डेढ़ साल से जब रेस्टोरेंट-पब बंद हैं तो ये पैसे कहां से आते?

शिवसेना ने संपादकीय में लिखा- 'परमबीर सिंह को थोड़ा संयम रखना चाहिए था। उस पर सरकार को परेशानी में डालने के लिए परमबीर सिंह का कोई इस्तेमाल कर रहा है क्या? ऐसी शंका भी है। असल में जिस सचिन वाझे के कारण ये पूरा तूफान खड़ा हुआ है, उन्हें इतने असीमित अधिकार दिए किसने? सचिन वाझे ने बहुत ज्यादा उधम मचाया। उसे समय पर रोका गया होता तो मुंबई पुलिस आयुक्त पद की प्रतिष्ठा बच गई होती। परंतु इस पूर्व आयुक्त द्वारा कुछ मामलों में अच्छा काम करने के बावजूद वाझे प्रकरण में उनकी बदनामी हुई। इस प्रकरण के तार परमबीर सिंह तक पहुंचेंगे ऐसी आशंका जांच में सामने आने से परमबीर सिंह ने खुद को बचाने के लिए इस तरह के आरोप लगाए हैं, यह सत्य होगा तो इस पूरे प्रकरण में भाजपा, सरकार को बदनाम करने के लिए परमबीर सिंह का इस्तेमाल कर रही है।' शिवसेना ने कहा कि इस साजिश के पीछे सिर्फ सरकार को सिर्फ बदनाम ही करना है, ऐसा नहीं है बल्कि सरकार को मुश्किल में डालना है, ऐसी उनकी नीति है। देवेंद्र फडणवीस दिल्ली जाकर मोदी-शाह को मिलते हैं और दो दिन में परमबीर सिंह ऐसा पत्र लिखकर खलबली मचाते हैं। उस पत्र का आधार लेकर विपक्ष जो हंगामा करता है, यह एक साजिश का ही हिस्सा नजर आता है। महाराष्ट्र में विपक्ष ने केंद्रीय जांच एजेंसियों का निरंकुश इस्तेमाल शुरू किया है, महाराष्ट्र जैसे राज्य के लिए ये उचित नहीं है। एक तरफ राज्यपाल राजभवन में बैठकर अलग ही शरारत कर रहे हैं तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों के माध्यम से दबाव का खेल खेल रही है।

सामना में लिखा गया है कि महाराष्ट्र के संदर्भ में कानून व व्यवस्था आदि ठीक न होने का ठीकरा फोड़ा जाए और राष्ट्रपति शासन का हथौड़ा चलाया जाए, यही महाराष्ट्र के विपक्ष का अंतिम ध्येय नजर आता है और इसके लिए नए प्यादे तैयार किए जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टीका कब तक कारगर

भारत में जब चार करोड़ से भी अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है, तब लोगों के मन को यह सवाल स्वाभाविक ही मथ रहा है कि आखिर कोरोना टीका कितने समय तक प्रभावी रहेगा? अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने शनिवार को इस सवाल का जवाब देते हुए कहा है कि कोविड-19 टीका आठ से दस महीने और शायद इससे भी ज्यादा समय तक संक्रमण से पूरी सुरक्षा दे सकता है। उन्होंने इससे संबंधित आंकड़े तो पेश नहीं किए, इसलिए यह मानना चाहिए कि यह एक कयास भर है। अभी दुनिया में किसी भी विशेषज्ञ या वैज्ञानिक ने कोविड-19 के टीके के बारे में ऐसी कोई बात कही नहीं है, इसलिए पूरी दुनिया में डॉक्टर गुलेरिया का संदेश गया है। यह सवाल निश्चित रूप से पूछा जाना चाहिए कि आखिर आठ-दस महीने का अनुमान पेश करने का आधार क्या है? क्या टीका शरीर में जो एंटीबॉडी या रोग प्रतिरोधक क्षमता पैदा करता है, उसकी अवधि महज आठ या दस महीने ही है? वैज्ञानिकों को गहराई से इसका अध्ययन करना चाहिए, लेकिन इसके लिए कम से कम एक या दो साल इंतजार करना पड़ेगा, तभी अनुभव और आंकड़ों के आधार पर तय होगा कि कोरोना का टीका कितने समय तक पूरी तरह कारगर रहता है। जाहिर है, अगर टीका हमें आठ-दस महीने तक ही सुरक्षा दे सकता है, तो फिर इसका अर्थ है, इतने समय बाद फिर टीका लेने की जरूरत पड़ेगी। क्या तब भी सरकार मुफ्त टीके लगवाएगी? सरकार पर कितना भार आएगा और तब टीके की जायज कीमत क्या होगी? आठ-दस महीने तक कारगर रहने वाले किसी टीके की कीमत क्या होनी चाहिए, यह भी कंपनियों को ध्यान में रखना होगा। हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोरोना टीके का प्रयोग सामान्य स्थितियों में नहीं हो रहा है। किसी भी टीके के प्रभाव का आकलन करने में वर्षों लगते हैं। हमें यह उम्मीद करनी चाहिए कि कोई ऐसा टीका भी आएगा, जिसकी एक खुराक से ही जीवन भर कोरोना से बचाव संभव हो सकेगा। अभी अमेरिका में भी तीन टीकों का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन किसी भी टीके के बारे में यह नहीं कहा गया है कि यह कितने समय तक कारगर रहेगा। वैज्ञानिक इसकी घोषणा के लिए इंतजार करना चाहते हैं। टीके की दुनिया में अभी कई सवाल हैं, जिनका जवाब वैज्ञानिकों को कायदे से देना पड़ेगा। अभी दुनिया में 96 टीके उम्मीदवारी जता रहे हैं। 27 टीके तो परीक्षण के तीसरे चरण में हैं और ज्यादातर देशों में कुल 13 टीकों को ही अभी तक मान्यता दी गई है। दुनिया में अभी तक कोई भी टीका 85 प्रतिशत से ज्यादा कामयाब नहीं माना जा रहा है। मतलब टीका ले रहे 15 प्रतिशत लोगों को फिर कोरोना कभी भी होने की आशंका है और जिन 85 प्रतिशत लोगों में टीका कारगर सिद्ध हो रहा है, उन्हें भी अगर दस महीने बाद फिर टीके की जरूरत पड़े, तो टीकाकरण अभियान कब-कैसे खत्म होगा? अभी हम जिस गति से चल रहे हैं, उसमें सभी को टीका देना आगामी एक वर्ष में संभव नहीं है। चिंता होती है कि अभी कोरोना जाता हुआ नहीं दिख रहा। अगर यह ऐसे ही टिका रहा, तो हर साल भारत में 130 करोड़ लोगों का टीकाकरण कैसे होगा? निस्संदेह, कोरोना से जीतने का एक ही तरीका है सावधानी और जहां तक पुख्ता टीके का सवाल है, तो इंतजार करना पड़ेगा।

आज के ट्वीट

पानी की टेस्टिंग

आजादी के बाद पहली बार पानी की टेस्टिंग को लेकर किसी सरकार द्वारा इतनी गंभीरता से काम किया जा रहा है। और मुझे इस बात की भी खुशी है कि पानी की टेस्टिंग के इस अभियान में हमारे गांव में रहने वाली बहनों-बेटियों को जोड़ा जा रहा है: -- पीएम

मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी

शहीद दिवस विशेष :- योगेश कुमार गोयल

भारत के वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस अथवा सर्वोदय दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। देश की आजादी के दीवाने ये तीनों स्वतंत्रता सेनानी इसी दिन हंसते-हंसते फांसी चढ़ गए थे और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार द्वारा इस दिन को 'शहीद दिवस' घोषित किया गया। हालांकि स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक वीर सपूतों ने अपने प्राण न्यौछावर किए और उनमें से बहुतों के बलिदान को प्रतिवर्ष किसी न किसी अवसर पर स्मरण किया जाता है लेकिन हर साल 23 मार्च का दिन शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एकदिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी। भगत सिंह प्रायः एक शेर गुनगुनाया करते थे-

जब से सुना है मरने का नाम जिन्दगी है,
सर से कफन लपेटे कातिल को ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एकदिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। शहीदे आजम भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबत्ती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर कुर्बान होगा। 28 सितम्बर 1907 को जन्मे भगत सिंह ने अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान् क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी मायने में कम नहीं। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगत सिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव, भगत सिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगत सिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रुझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे। पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंकने की योजना बनाई। 1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फेंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फेंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, 'आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।' हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में 'लाहौर षड्यंत्र केस' के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की। 23 मार्च 1931 की शाम करीब 7.33 बजे भारत मां के इन तीनों महान् वीर सपूतों को फांसी दे दी गई। फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे-

SUKHDEV 1907 - 1931 BHAGAT SINGH 1907 - 1931 RAJGURU 1908 - 1931

दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

फांसी पर चढ़ने से कुछ समय पहले भगत सिंह एक पुस्तक पढ़ रहे थे, राजगुरू वेद मंत्रों का गान कर रहे थे जबकि सुखदेव कोई क्रांतिकारी गीत गुनगुना रहे थे। फांसी के तख्ते पर चढ़कर तीनों ने फंदे को चूमा और अपने ही हाथों फंदा अपने गले में डाल लिया। जेल वार्डन ने यह दृश्य देखकर कहा था कि इन युवकों के दिमाग बिगड़े हुए हैं और ये पागल हैं। इस पर सुखदेव ने गुनगुनाते हुए कहा, 'इन बिगड़े दिमागों में घनी खुशबू के लच्छे हैं। हमें पागल ही रहने दो, हम पागल ही अच्छे हैं।'

भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव भारत माता के ऐसे सच्चे सपूत थे, जिन्होंने देशप्रेम और देशभक्ति को अपने प्राणों से भी ज्यादा महत्व दिया। देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। भगत सिंह कहा करते थे कि एक सच्चा बलिदानी वही है, जो जरूरत पड़ने पर सबकुछ त्याग दे। ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

समर्पण

श्रीराम शर्मा आचार्य

मित्रो! एक बार लैला ने मजनूं की परीक्षा लेनी चाही और जानना चाहा कि मजनूं कैसा है? पहले तो उसने ऐसा इंतजाम कर दिया कि उसको कुछ पैसे मिल जाया करें, दुकानदारों से खाने को मिल जाया करे। फिर उसने सोचा, ऐसा तो नहीं कि वह हरामखोर हो और फोकट का खा रहा हो। उसने अपनी बांदी से यह कहला भेजा कि लैला बहुत बीमार है। सुनकर मजनूं बड़ा दुखी हुआ। बांदी ने कहा-दुखी होने से क्या फायदा? आप कुछ मदद कीजिए न उनकी। उसने कहा-लैला को हम बहुत प्यार करते हैं। प्यार करते हो तो कुछ दीजिए न। मजनूं ने कहा-मैं क्या दूं? बांदी ने कहा-डॉक्टरों ने यह कहा है कि लैला की नसों में खून का एक प्याला चढ़ाया जाएगा, आप अपना खून देंगे क्या, जिससे कि लैला की जिन्दगी बचाई जा सके। मजनूं फौरन तैयार हो गया। उसने जो कटोरा बांदी लेकर आई थी, खून से लबालब भर दिया। बांदी जब खून लेकर चली, तब उसने बांदी से एक और बात कही-बांदी जल्दी आना, अभी कई कटोरे खून मेरे शरीर में है। वह मैं उसके सुपुर्द करूंगा, क्योंकि उससे मैं मुहब्बत करता हूं और मुहब्बत का मतलब होता है-देना। बांदी जब एक कटोरा खून लेकर के गई, तो नकली मजनूं जो थे, सब भगा दिए गए। लैला ने अपने बाप से कह दिया-जो मुझसे इतनी मुहब्बत करता है और जो मुहब्बत की कीमत को समझता है, उसके ही साथ मैं रहूंगी। लैला और मजनूं की शादी हो गई। आपकी भी शादी भगवान के साथ में हो सकती है, लेकिन करना क्या चाहिए? सिर्फ एक बात करनी चाहिए कि भगवान की मर्जी पर चलने के लिए आप आमादा हो जाइए। भगवान जो आपसे चाहते हैं, उसको कीजिए। आपका चाहना भी ठीक है, लेकिन आप जो चाहते हैं, उससे पहले बहुत कुछ दे दिया है भगवान ने। आपको इनसान की जिन्दगी दी है और ऐसी जिंदगी दी है कि आप अपनी मनमर्जी पूरी कर सकते हैं। मनमर्जी के लिए कोई कमी नहीं है। अपनी दैनिक जरूरतों की भगवान से अपेक्षा मत कीजिए। आप अपनी हविश, अपनी तमन्नाओं, इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भगवान को मजबूर करेंगे कि कर्तव्य की बात को छोड़कर वह पक्षपात करने लगे और कर्मफल की महत्ता का परित्याग कर दे?

मन-मस्तिष्क चिंतामुक्त कर लें आनंद

नरपत दान बारहठ

समस्याएं सहजात होती हैं यानी कि जन्म के साथ ही समस्याएं भी पैदा होती हैं। इनसानी जीवन समस्याओं को लेकर हमेशा बिखरा हुआ रहता है। हर कोई चाहता है कि उसके जीवन में कोई समस्या हो ही नहीं। वहीं, कहीं एक समस्या समाप्त हो भी जाती है तो दूसरी शुरू हो जाती है। यानी समस्याओं का सिलसिला जीवन के समानांतर सतत रूप में चलता रहता है और मनुष्य जीवन भर समस्याओं के अंत होने का इंतजार करता रहता है। उनसे लड़ता रहता है। समस्याएं तो आती रहती हैं लेकिन जब समस्या का सामना करने की बात आती है तो सवाल यह भी कि आखिर कितनी समस्याओं का सामना करें। और कई दफा समस्या का सामना करने के बाद भी समस्या जीत जाती है और जीवन छोटा हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में मनुष्य के अंतस में जीवन से नैराश्य की भावना पैदा होती है। तो इन समस्याओं के एक समग्र रूप में समाधान को जानने के लिए विवेक को थोड़ा समस्याओं के प्रति डर से दूर रखना चाहिए। समस्याओं को जीवन का एक अपरिहार्य हिस्सा मानकर, उनके साथ-साथ चलना ही सही अर्थों में जीवन है। अगर सब कुछ सहज रूप में मिल जाए तो फिर मनुष्य को जीवन में कुछ करना ही ना पड़े और जब कुछ करना ही ना पड़े तो फिर जीवन का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता। दरअसल समस्याएं ही जीवन की दशा और दिशा तय करती हैं। बहरहाल, समस्याओं के रूप को एक छोटी -सी कहानी से समझ सकते हैं। कहानी इस प्रकार है-एक व्यक्ति निजी व्यवसाय करता था। हर समय वो किसी न किसी समस्या से परेशान रहता था। एक बार शहर से कुछ दूरी पर एक महात्मा का काफिला रुका। शहर में चारों ओर उनकी काफी चर्चा थी। बहुत से लोग अपनी समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचने लगे। उस आदमी ने भी महात्मा के दर्शन करने का निश्चय किया। छुट्टी के दिन समय निकालकर उनके काफिले तक पहुंचा। बहुत लंबा इंतज़ार करने के बाद उसका नंबर आया। वह महात्मा से बोला--महात्मा जी, मैं अपने जीवन में बहुत-सी समस्याओं से जूझ रहा हूं, हर समय समस्याएं मुझे घेरे रहती हैं, कभी ऑफिस की टेंशन रहती है, तो कभी घर पर कोई अनहोनी हो जाती है, और कभी अपनी सेहत को लेकर परेशान रहता हूं। कोई ऐसा उपाय बताइये कि मेरे जीवन से सभी समस्याएं ख़त्म हो जाएं और मैं चैन से जी सकूं। महात्मा मुस्कुराये और बोले-वत्स, अब रात हो गयी है, अब समय नहीं है। मैं तुम्हारे प्रश्न का उत्तर कल सुबह दूंगा, लेकिन क्या तब तक तुम मेरा एक छोटा सा काम करोगे? उसने कहा-जरूर। महात्मा बोले-वत्स, हमारे काफिले में सौ ऊंट हैं, मैं चाहता हूं कि आज रात तुम इनका ख्याल रखो। जब सौ के सौ ऊंट बैठ जाएं तो तुम भी सो जाना। ऐसा कहते हुए महात्मा अपने तम्बू में चले गए। अगली सुबह महात्मा उस आदमी से मिले और पूछा-कहो वत्स, नींद तो अच्छी आई ना। वो परेशान मुद्रा बनाते हुए बोला-कहां महात्मा जी, मैं तो एक पल भी नहीं सो पाया। मैंने बहुत कोशिश की पर मैं सभी ऊंटों को नहीं बैठा पाया, कोई न कोई ऊंट खड़ा हो ही जाता। महात्मा बोले -वत्स, बिल्कुल ठीक कह रहे हो। कल रात तुमने अनुभव किया कि चाहे कितनी भी कोशिश कर लो सारे ऊंट एक साथ नहीं बैठ सकते। तुम एक को बैठाओगे तो दूसरा खड़ा हो जाएगा। जीवन में समस्याएं भी ठीक इसी तरह रहती हैं। अगर तुम एक समस्या का समाधान करोगे तो किसी कारणवश दूसरी खड़ी हो जाएगी। वत्स, जब तक जीवन है, ये समस्याएं तो बनी ही रहती हैं, कभी कम तो कभी ज्यादा। तो हमें क्या करना चाहिए? उस आदमी ने जिज्ञासावश पूछा। महात्मा ने इत्मीनान से प्रत्युत्तर दिया-इन समस्याओं के बावजूद जीवन का आनंद लेना सीखो। जैसे कल रात क्या हुआ। जैसे कई ऊंट रात होते-होते खुद ही बैठ गए, कई तुमने अपने प्रयास से बैठा दिए, बहुत से ऊंट तुम्हारे प्रयास के बाद भी नहीं बैठे और बाद में तुमने पाया कि उनमें से कुछ खुद ही बैठ गए। अब आप इनसे कुछ समझे? समस्याएं भी ठीक ऐसी ही होती हैं। जैसे कुछ तो अपने आप ही ख़त्म हो जाती हैं, कुछ को तुम अपने प्रयास से हल कर लेते हो, कुछ तुम्हारे बहुत कोशिश करने पर भी हल नहीं होतीं। ऐसी समस्याओं को समय पर छोड़ दो, उचित समय पर वे खुद ही ख़त्म हो जाएंगी। जीवन है तो कुछ समस्याएं रहेंगी ही रहेंगी, पर इसका ये मतलब नहीं कि तुम दिन-रात उन्हीं के बारे में सोचते रहो। समस्याओं को एक तरफ रखो और जीवन का आनंद लो, चैन की नींद सोओ, जब उनका समय आएगा, वो खुद ही हल हो जाएंगी।.. इस कहानी के सार को जीवन में उतार कर हम समस्याओं से मन-मस्तिष्क को मुक्त रखकर आनंद में जीवन जी सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सोने-चांदी में आई भारी गिरावट, जानें प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत

बिजनेस डेस्कः सोने-चांदी की कीमतों में आज फिर गिरावट देखने को मिली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार दिल्ली के सर्राफा बाजार में आज सोना 302 रुपए सस्ता हुआ है, जिसके बाद उसकी कीमत 44,269 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। पिछले सत्र में सोना 44,571 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओर आज चांदी की कीमतों में 1533 रुपए की भारी गिरावट आई है, जिसके बाद चांदी 65,319 रुपए प्रति किलो के स्तर पर आ चुकी है। पिछले सत्र में चांदी 66,852 रुपए प्रति किलो के स्तर बंद हुई थी।

पिछले हफ्ते क्या थी सोने की कीमत?

बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में सुधार आने के समर्थन से दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 168 रुपए की तेजी के साथ 44,580 रुपए प्रति दस ग्राम हो गया। यह जानकारी एचडीएफसी सिक्यूरिटीज ने दी। पिछला बंद भाव 44,412 रुपए प्रति 10 ग्राम था। हालांकि, चांदी की कीमत प्रति किलोग्राम 135 रुपए की गिरावट के साथ 66,706 रुपए प्रति किग्रा रह गई। पिछले दिन का बंद भाव 66,841 रुपए प्रति किलोग्राम था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव तेजी के साथ 1,741 डॉलर प्रति औंस था जबकि चांदी का भाव 26.12 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर रहा।

11 हजार रुपए से भी अधिक गिर चुका है सोना

सोने की कीमत में ऑल टाइम हाई से 11 हजार रुपए से भी अधिक की गिरावट आ चुकी है। 2020 में सोना 28 फीसदी तक चढ़ा था और अब 11 हजार रुपए से भी अधिक गिर चुका है। सिर्फ इसी साल में भी सोने में भारी गिरावट आई है। इतना ही नहीं, चांदी में भी 10 हजार रुपए तक की गिरावट देखने को मिली है। अगस्त में सोने ने 56,310 रुपए का ऑल टाइम हाई छुआ था और अब सोना 44,580 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच चुका है।

गूगल के उपाध्यक्ष सीजर सेनगुप्ता ने इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली, प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के उपाध्यक्ष सीजर सेनगुप्ता ने कंपनी के साथ 15 साल रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी के एक प्रवक्ता के अनुसार सेनगुप्ता ने गूगल के अपने कार्यकाल के दौरान क्रोम ओएस, नेक्स्ट बिलियन यूजर्स और गूगल पे जैसी पहल को शुरू करने और आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाई। बयान में कहा गया, ''गूगल के साथ 15 साल रहने के बाद सीजर सेनगुप्ता ने कंपनी छोड़ने और गूगल के बाहर कोई उद्यम शुरू करने का व्यक्तिगत फैसला लिया है।'' कंपनी ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

पांच महीने में 6 गुना बढ़ी बिटकॉइन की कीमत

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत आसमान छू रही है। पिछले अक्टूबर में इसकी कीमत 10,500 डॉलर से इस महीने 60,000 डॉलर को पार कर गई। लेकिन इस तेजी के बावजूद दुनिया के जाने माने निवेशक वॉरेन बफे इसमें निवेश नहीं करना चाहते हैं। बफे ने पिछले साल कहा था कि क्रिप्टोकरेंसीज की कोई कीमत नहीं है। इनकी वैल्यू जीरो है। वे किसी काम की नहीं हैं। मेरे पास कोई क्रिप्टोकरेंसी नहीं है और न कभी होगी। इससे पहले 2019 में भी उन्होंने बिटकॉइन को गैंबलिंग डेवाइस बताया था। तब उन्होंने अपनी कंपनी बर्कशायर हैथवे की सालाना बैठक से पहले कहा था कि क्रिप्टोकरेंसीज के साथ कई तरह का फ्रॉड जुड़ा है। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी की तुलना अपनी जैकेट के बटन से की थी। बफे ने कहा था मैं एक बटन तोड़ूंगा और 1000 डॉलर में आपको ऑफर करूंगा। फिर देखूंगा कि मुझे दिन के आ खिर में 2000 डॉलर मिलते हैं या नहीं। लेकिन बटन का एक ही काम है और यह काम बहुत सीमित है। बफे दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल है।

चार राज्यों ने की केंद्र से 16,467 करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज की मांग

नई दिल्ली :

आंध्र प्रदेश और गोवा सहित चार राज्यों ने भारत सरकार से विशेष वित्तीय पैकेज के रूप में 16,467 करोड़ रुपए की मांग की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग को आंध्र प्रदेश, गोवा, मणिपुर और नागालैंड से विशेष वित्तीय पैकेज के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं। सोमवार को लोकसभा में वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक लिखित जवाब में कहा। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश ने राज्य के पिछड़े क्षेत्रों के लिए विशेष विकास पैकेज के तहत 700 करोड़ रुपए जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा, ÷गोवा की राज्य सरकार ने पुर्तगाली शासन से मुक्ति के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि के लिए डायमंड जुबली ईयर पैकेज की मांग की है। मणिपुर की राज्य सरकार ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों सहित 14,567 करोड़ रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की है।÷ नागालैंड ने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को कवर करते हुए 700 करोड़ रुपए की विशेष सहायता पैकेज की मांग की है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार राज्य सरकारों के अनुरोधों की

जांच करती है और सकल बजटीय सहायता के भीतर संसाधनों की उपलब्धता के अधीन अनुदान के रूप में राज्यों को संसाधन हस्तांतरित करती है।

मारुति सुजुकी अप्रैल से बढ़ाएगी वाहनों के दाम

नयी दिल्ली, देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को कहा कि वह कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण उसकी भरपाई के लिये अगले महीने से अपने सभी मॉडल के दाम बढ़ाएगी। मारुति ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले साल से कंपनी के वाहनों पर कच्चे माल की लागत में वृद्धि का असर हुआ है। कंपनी के अनुसार, ''अतः कंपनी के लिये यह जरूरी हो गया है कि वह अप्रैल 2021 से वाहनों के दाम बढ़ाकर अतिरिक्त लागत के कुछ हिस्से का भार ग्राहकों पर डाले।'' बयान में कहा गया है कि कीमत में वृद्धि विभिन्न मॉडल के लिये अलग-अलग होगी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह अगले महीने से वाहनों की कीमत कितनी बढ़ाएगी। इससे पहले, मारुति सुजुकी ने इस साल 18 जनवरी को लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए चुनिंदा मॉडल पर दाम 34,000 रुपये तक बढ़ाने की घोषणा की थी।

मुंबई में SEBI के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के 6 ठिकानों पर CBI ने की छापेमारी

नई दिल्ली :

सारदा घोटाले मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने सोमवार को मुंबई में छह जगहों पर एक साथ छापेमारी की। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, CBI ने यह छापेमारी सेबी के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के घर और दफ्तरों पर की है। सारदा पोंजी घोटाले में तीनों अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। यह छापेमारी ऐसे समय में हुई है, जब बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार तेजी से चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, घोटाले के समय ये तीनों अधिकारी पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो 2009 से 2013 के बीच कोलकाता में पोस्टिंग के दौरान इन अधिकारियों की जो भूमिका थी, वो फिलहाल जांच के दायरे में है। यह मामला एक कथित वित्तीय घोटाले और सारदा ग्रुप द्वारा चलाई गई पोंजी स्कीम के पतन के कारण हुए राजनीतिक घोटाले से संबंधित है। केंद्र द्वारा आयकर विभाग (IT) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) सहित घोटाले के मामले की एक बहु-एजेंसी जांच कराई जा रही है। ANI के मुताबिक 2009 और 2013 के बीच बाजार नियामक के कोलकाता कार्यालय में उनकी पोस्टिंग के दौरान SEBI के इन तीनों अधिकारियों की भूमिका कथित रूप से संदेह के घेरे में आ गई है। राजनेताओं, विधान सभा के सदस्यों (विधायकों) और संसद सदस्यों (सांसदों) सहित कई प्रमुख हस्तियों पर घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

अगले महीने से रद्द हो सकता है आपका पैन कार्ड, आज ही करें ये काम

बिजनेस डेस्क :

आयकर विभाग ने सभी पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना अनिवार्य कर दिया है। इसलिए अगर आपने अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं किया है, तो अलर्ट हो जाइए। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स (CBDT) ने पर्मानेंट अकाउंट नंबर (PAN) और आधार लिंकिंग की आखिरी तारीख 31 मार्च 2021 तय की है यानी इसके लिए सिर्फ 10 दिन ही शेष हैं।

अगर आपने 31 मार्च तक यह काम नहीं किया, तो आपका पैन कार्ड बेकार हो सकता है। ऐसी स्थिति में आप पर आयकर अधिनियम की धारा 272बी के तहत 10,000 रुपए का जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए सभी पैन कार्ड धारकों को स्टेटस की जांच कर आधार से जल्द-जल्द लिंक कराना चाहिए। सबसे पहले आपको ये जानना होगा कि आपका पैन कार्ड आधार से लिंक है या नहीं।

आयकर विभाग की वेबसाइट से चेंक करें स्टेटस

- सबसे पहले आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट **www.incometa&indiaefiling.gov.in** पर जाएं।
- यहां बाएं तरफ लिखे क्विक लिंक विकल्प के लिंक आधार पर क्लिक करें।
- नए खुले पेज के ऊपर की तरफ हाइपरलिंक होगा, जहां पहले ही आधार लिंक के आवेदन की जानकारी होगी।
- इस हाइपरलिंक पर क्लिक कर आपको पैन व आधार की डिटेल भरनी होगी।
- इसके बाद व्यू लिंक आधार स्टेटस पर क्लिक करें। आपको पता चल जाएगा कि आपका आधार और पैन लिंक है या नहीं।

आधार कार्ड को पैन कार्ड से लिंक करने का तरीका

- अपने फोन में कैपिटल लेटर में आईडीपीएन टाइप करें, फिर स्पेस देकर आधार नंबर और पैन नंबर लिखें।
- इस मैसेज को 567678 या 56161 पर भेज दें।
- इसके बाद आयकर विभाग दोनों दस्तावेजों को लिंक करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा।
- आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर बाईं तरफ क्विक लिंक विकल्प में लिंक आधार पर क्लिक करें।
- अगर आपका अकाउंट नहीं बना है तो पहले रजिस्ट्रेशन करें। यहां आपको पैन, आधार नंबर और नाम भरना होगा, जिसका ओटीपी संबंधित मोबाइल नंबर पर आएगा।
- ओटीपी भरने के बाद आपका आधार और पैन लिंक हो जाएगा।

शेयर बाजार: लाल निशान पर बंद हुआ सेंसेक्स, 14800 के नीचे पहुंचा निफ्टी

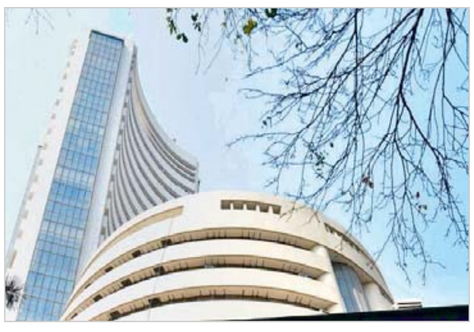

नई दिल्ली :

दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद आज सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 86.95 अंक यानी 0.17 फीसदी नीचे 49771.29 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 7.60 अंक यानी 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 14736.40 के स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 933.84 अंक या 1.83 फीसदी टूट गया। शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते की शुरुआत गिरावट के साथ हुआ। BSE सेंसेक्स सोमवार को सुबह 282 अंकों की गिरावट के साथ 49,575.60 पर कारोबार कर रहा है। इंडेक्स में शामिल 30 में 21 शेयरों में गिरावट है। पावर ग्रिड का शेयर 1त्न से ज्यादा की गिरावट है। निफ्टी 65 अंक नीचे 14,678.45 पर कारोबार कर रहा है। BSE 20 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 49,878.77 पर और निफ्टी 7 अंक नीचे 14,736.30 पर खुला। BSE पर 1,748 शेयरों में कारोबार कर रहा है। 908 शेयरों में बढ़त और 738 में गिरावट है। लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप 203.24 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो 19 मार्च को 203.44 लाख करोड़ रुपए रहा था।

जापान और हॉन्गकॉन्ग के बाजारों में गिरावट

जापान का निक्केई इंडेक्स 572 अंक यानी 1.92त्न नीचे 29,220 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग इंडेक्स में 81 अंक यानी 0.28त्न की गिरावट है, इंडेक्स 28,909 पर आ गया। जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट और कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी हल्की बढ़त है। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया के ऑल ऑर्डनरीज में भी बढ़त है।

अमेरिकी बाजार में सपाट का कारोबार

US अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और महंगाई के चलते पिछले दिनों बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 19 मार्च को S&P 500 इंडेक्स 2.36 नीचे 3,913 पाइंट पर आ गया। इसी तरह डाओ जोंस भी 234 अंकों की गिरावट के साथ 32,628 पर बंद हुआ है। दूसरी ओर नैस्डैक इंडेक्स 0.76% चढ़कर 13,215 अंकों पर बंद हुआ था। इससे पहले यूरोपियन मार्केट में भारी बिकवाली रही। इसमें फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के शेयर बाजार शामिल हैं, जो 1-1% की गिराव के साथ बंद हुए।

रिलायंस समझौते में किशोर बियानी को कोर्ट से राहत, संपत्ति कुर्क करने के आदेश लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियानी को राहत देते हुए संपत्ति कुर्की के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के उस आदेश पर रोक लगा दी है जिसमें फ्यूचर ग्रुप को मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रीटेल के साथ 24713 करोड़ रुपये की डील को आगे बढ़ने से रोका गया था। अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन ने इस सौदे पर आपत्ति जताई थी। चीफ जस्टिस डीएन पटेल और जस्टिस जसमीत सिंह की डिवीजन बेंच ने फ्यूचर ग्रुप की अपील पर ऐमजॉन को नोटिस जारी किया है। इससे पहले सिंगल बेंच ने फ्यूचर और रिलायंस के सौदे को रोक दिया था। फ्यूचर ने इसे चुनौती दी थी। मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी। सिंगल बेंच ने साथ ही फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियानी और अन्य की संपत्ति कुर्क करने का भी आदेश दिया था। लेकिन डिवीजन बेंच ने इस पर भी रोक लगा दी। बेंच ने किशोर बियाणी और अन्य को 28 अप्रैल को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। सिंगल बेंच ने ऐमजॉन की याचिका पर फ्यूचर और रिलायंस के सौदे पर रोक लगाई थी। सिंगापुर के एमरजेंसी आर्बिटेटर ने पिछले साल 25 अक्टूबर को फ्यूचर ग्रुप और रिलायंस को अपना सौदा आगे नहीं बढ़ाने को कहा था। इस आदेश को लागू करवाने के लिए ऐमजॉन ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मोदी के आह्वान पर लुलु समूह ने यूएई में 400 टन कश्मीरी सेब आयात किया

चेन्नई।

केरल के अरबपति व्यवसायी एम. यूसुफ अली के स्वामित्व वाले लुलु समूह ने कश्मीरी सेब का उत्पादन करने वाले किसानों को समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मध्य पूर्व में लगभग 400 टन कश्मीरी सेब का आयात किया है। समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक यूसुफ अली ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मैंने हमेशा माना है कि सरकार की नीतियों को स्वीकार करना और कार्य करना सभी भारतीयों की प्रमुख जिम्मेदारी है। स्वाभाविक रूप से जबसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूएई यात्रा के दौरान 2019 में कश्मीर राज्य के निवेश और समर्थन का विचार रखा था, मैं इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दिखाने वाला पहला व्यक्ति हूं और हमने पिछले वर्ष के दौरान 400 टन से अधिक कश्मीरी सेब का आयात किया है और यह जारी है, लेकिन यह कोविड संबंधित मुद्दों के कारण लक्ष्य से थोड़ा कम रहा है। व्यवसायी का समूह 30,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है और इनमें से अधिकांश भारतीय हैं। इन भारतीयों में से साठ प्रतिशत से अधिक केरल राज्य से हैं। केरल में भी उनके गृह जिले त्रिशूर से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिला हुआ है। यूसुफ अली 1973 में मध्य पूर्व पहुंचे थे और तब से उन्होंने शीर्ष पर पहुंचने के लिए संघर्ष भी किया है। अब लुलु समूह के खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), मिस्र, भारत और अन्य जगहों पर विभिन्न आकारों वाले 198 से अधिक स्टोर हैं और यह प्रतिदिन 16 लाख से अधिक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। यूसुफ अली ने कहा, मैंने इस प्रकार के विस्तार के बारे में कभी नहीं सोचा था। अब हमारा जीसीसी, भारत, अफ्रीका और सुदूर पूर्व में खुदरा परिचालन है और दुनियाभर के सभी प्रमुख शहरों में हमारे सोर्सिंग कार्यालय हैं। लुलु समूह और यूसुफ अली हमेशा ऐसे लोगों का समर्थन करने के लिए चर्चा में रहे हैं जो अदालती मामलों में फंस जाते हैं या संयुक्त अरब अमीरात में बेरोजगार हो जाते हैं और अक्सर उन्हें अनौपचारिक भारतीय दूत के रूप में संबोधित किया जाता है। इस बारे में पूछे जाने पर यूसुफ अली ने कहा, परोपकार का मेरी फिलॉस्पी पैगंबर मोहम्मद के शिक्षण पर आधारित है, जिसका कहना है कि यदि आपका पड़ोसी भूखा रहता है, तो आपको जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

एयरटेल की निदेशक समिति ने LMIL को 3.64 करोड़ शेयरों के तरजीही आवंटन को मंजूरी दी

नई दिल्ली :

भारती एयरटेल ने सोमवार को कहा कि उसके निदेशक मंडल की विशेष समिति ने 3.64 करोड़ शेयरों का तरजीही आधार पर वारबर्ग पिनकस से जुड़ी कंपनी को 600 रुपये प्रति शेयर के भाव पर आवंटित करने को मंजूरी दे दी। यह भारती टेलिमीडिया सौदे की दिशा में आंशिक भुगतान के तौर पर आवंटित किए जाएंगे।

हाल में किए गए सौदे के एक हिस्से के तौर पर भारती एयरटेल अपनी डीटीएच इकाई भारती टेलिमीडिया में वारबर्ग पिनकस की सहयोगी लॉयन मीडोउ इनवेस्टमेंट लिमिटेड से 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण 3,126 करोड़ रुपए में करेगी। एयरटेल ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी देते हुए कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने भारती टेलिमीडिया में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए लॉयन मीडोउ को किए जाने वाले नकद भुगतान के अलावा यह आवंटन किया है। डीटीएच इकाई

भारती टेलिमीडिया में वह 10 करोड़ 20 लाख 40 हजार शेयरों का अधिग्रहण करेगी जो कि कुल शेयरों का करीब 20 प्रतिशत है।

पश्चिम बंगाल में 200 यूनिट बिजली का वादा करने वाली भाजपा से उत्तर प्रदेश में भी ऐसी ही राहत की मांग

लखनऊ,

उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के एक संगठन ने पश्चिम बंगाल में सरकार बनने पर घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने के भाजपा के चुनावी वादे को आधार बनाते हुए राज्य में इस पार्टी की सरकार से ऐसी ही राहत की मांग की है।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने सोमवार को यहां एक बयान में बताया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को जारी अपने घोषणापत्र में सरकार बनने पर घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया है। अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में ऐसा कर सकती है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं खासकर तब जब इस राज्य के बिजली उपभोक्ताओं का हजारों करोड़ों रुपया विद्युत कंपनियों पर बकाया है।

वर्मा ने बताया कि उन्होंने इस मसले पर प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा से सचिवालय में मुलाकात कर एक प्रस्ताव सौंपा। इसमें यह मांग की गई कि उत्तर प्रदेश में भी घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाए। अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में ऐसा कर सकती है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं? उन्होंने बताया कि ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ता परिषद को आश्वासन दिया है कि सरकार सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के विकल्प पर विचार कर रही है और परिषद के प्रस्ताव पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा।

वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश भारत का ऐसा पहला राज्य है जहां विद्युत उपभोक्ताओं का प्रदेश की बिजली कम्पनियो पर 'उदय', 'ट्रूअप' योजनाओं के लगभग 19,535 करोड़ रुपए बकाया है। इसे लेकर उपभोक्ता परिषद बिजली दरों में तीन वर्षों तक लगातार आठ प्रतिशत अथवा 25 प्रतिशत एक साथ कमी की मांग कर रही है लेकिन उपभोक्ताओं को अभी तक राहत नहीं दी गयी है।

उन्होंने बताया कि उदय योजना के तहत केंद्र सरकार ने बिजली कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज की ब्याज की धनराशि इस शर्त पर खुद चुकाई थी कि बिजली कंपनियां इसका लाभ उपभोक्ताओं को देंगी और इस ब्याज की धनराशि की वसूली उपभोक्ताओं से नहीं की जाएगी। मगर कंपनियों ने ब्याज की रकम भी बिजली की दरों में शामिल करके वसूली कर ली है।

एनटीपीसी के बोंगाईगांव संयंत्र ने पहली बार क्षमता से अधिक उत्पादन किया

गुवाहाटी ।

एनटीपीसी के असम के बोंगाईगांव संयंत्र का उत्पादन पहली बार अपनी 750 मेगावॉट की स्थापित क्षमता को पार कर गया। इस संयंत्र की सभी इकाइयो को दो साल पहले चालू किया गया था। जानकारी के अनुसार मार्च, 2019 में तीन इकाइयां चालू होने के बाद पहली बार संयंत्र ने 100 प्रतिशत से अधिक का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) दर्ज किया है। एनटीपीसी बोंगाईगांव के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि इस स्टेशन ने 18 मार्च को 101.39 प्रतिशत पीएलएफ के साथ 182.49 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया। उन्होंने बताया कि यूनिट एक और यूनिट दो का पीएलएफ 100 प्रतिशत से अधिक तथा यूनिट तीन का 98.5 प्रतिशत रहा। इस संयंत्र की कुल स्थापित क्षमता 750 मेगावॉट की है जो 180 लाख यूनिट के बराबर है। पश्चिम असम स्थित एनटीपीसी बांगाईगांव संयंत्र की स्थापना 8,149 करोड़ रुपए की लागत से हुई थी। बयान में कहा गया है कि एनटीपीसी समूह का उत्पादन भी चालू वित्त वर्ष 2020- 21 में 300 अरब यूनिट से ऊपर निकल गया। एनटीपीसी की समूह कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष में 19 मार्च 2021 तक कुल 300.8 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया। यह विद्यु!त उत्पादन समूह के पिछले साल इसी अवधि में किए गए उत्पादन के मुकाबले 6.9 प्रतिशत अधिक रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया ओलम्पिक क्वालीफाइंग के लिए पांच महिला पहलवानों का चयन

लखनऊ । कजाकिस्तान में नौ से 18 अप्रैल तक होने वाले एशियन ओलंपिक क्वालीफाइंग इवेंट और 2021 की सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के लिए सोमवार को यहां एसटीसी लखनऊ में पांच ओलंपिक वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल आयोजित हुए, जिसमें पांच पहलवानों का चयन किया गया। भारतीय कुश्ती महासंघ ने सोमवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी देते हुए बताया कि इस चयन ट्रायल से जिन पांच पहलवानों का चयन हुआ उनमें सीमा (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) का चयन किया गया। महासंघ ने साथ ही बताया कि एशियाई चैंपियनशिप के लिए शेष चार वजन वर्गों के लिए चयन ट्रायल 27 मार्च को आयोजित होगा।

विश्व कप में भारत के युवा निशानेबाजों का धमाल, एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीम में स्वर्ण

नयी दिल्ली,

भारत की 'युवा ब्रिगेड' ने आईएसएसएफ विश्व कप में सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए दस मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया । सोमवार को तीन स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही भारत के अब छह स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक हो गए हैं । अमेरिका तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर है । सौरभ चौधरी और मनु भाकर की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पीला तमगा जीता । वहीं दिव्यांश सिंह पंवार और इलावेनिल वलारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल में मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया । मनु और सौरभ ने फाइनल में ईरान के गोलनोश सेबहातोलाही और जावेद फोरोगी को 16-12 से हराया। दूसरी सीरीज के बाद 18 वर्षीय चौधरी और 19 वर्षीय भाकर 0-4 से पीछे चल रहे थे लेकिन उसने इसके बाद शानदार वापसी की। भारत का वर्तमान प्रतियोगिता में यह पांचवां स्वर्ण पदक है और वह शीर्ष पर बना हुआ है। यह इस जोड़ी का विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में पांचवां स्वर्ण पदक है। ईरानी टीम ने अच्छी शुरुआत की लेकिन एक बार जब भारतीय शुरुआती अड़चनों से पार पाने में सफल रहे तो उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और सोने का तमगा हासिल किया। भारत की यशस्विनी सिंह देसवाल और अभिषेक वर्मा ने तुर्की के सेवाल इलाइदा तारहान और इस्माइल केलेस को 17-13 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं भारतीय पुरूष स्कीट टीम ने स्वर्ण और महिलाओं ने रजत पदक जीता । खिताब की प्रबल दावेदार चौधरी और भाकर की भारतीय जोड़ी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पहली सीरीज में 0-2 से पिछड़ गयी। ईरानी टीम ने दूसरी सीरीज के बाद अपना स्कोर दोगुना कर दिया। इसके बाद चौधरी और भाकर ने वापसी की लेकिन ईरानी टीम ने चार शॉट की बढ़त बनाये रखी। एक समय स्कोर 6-10 था लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन सीरीज जीतकर स्कोर 12-10 कर दिया। एक बार बढ़त हासिल करने के बाद भाकर और चौधरी ने ईरानी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया और आखिर में चैंपियन बने। भारतीय जोड़ी क्वालीफाईंग में 384 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही थी। कांस्य पदक के मुकाबले में देसवाल और वर्मा ने शुरू से दबदबा बनाये रखा और पहली चार सीरीज में 8-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद तुर्की की टीम ने अच्छी वापसी की और नौ सीरीज के बाद स्कोर 10-8 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने हालांकि हार नहीं मानी और आखिर में कांस्य पदक अपने नाम किया। सुबह दिव्यांश और इलावेनिल की भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में 16 अंक बनाये और हंगरी की विश्व में नंबर एक इस्तावान पेनी और इस्जतर डेनेस को पीछे छोड़ा। हंगरी की टीम 10 अंक ही बना पायी। भारत का इस प्रतियोगिता में यह चौथा स्वर्ण पदक है।

विराट कोहली करेंगे सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी, कप्तान के तौर पर तोड़ेंगे रिकी पोटिंग का रिकॉर्ड

स्पोर्ट्स डेस्क ।

टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल सीरीज में फतह हासिल करने के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम का लक्ष्य इंग्लैंड को वनडे में धूल चटाना है। वहीं ये सीरीज भारतीय कप्तान विराट कोहली के लिए भी अहम रहने वाली है। यदि वह इस सीरीज के दौरान शतक लगा देते हैं तो वह महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी और रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। कोहली ने वनडे में आखिरी शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ अगस्त 2019 को लगाया था। कोहली के नाम वनडे में 43 शतक हैं जिसमें 19 होम ग्राउंड में लगाए हैं। यदि वह एक और शतक लगा देते हैं तो तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने घर में 20 शतक लगाए हैं। वहीं वनडे में कप्तान के रूप में वह पूर्व ऑस्ट्रेलियई रिकी पोंटिंग को भी पीछे छोड़ देंगे। फिलहाल कोहली और पोंटिंग दोनों के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के रूप में 41 शतक हैं। केवल एकदिवसीय मैचों की बात करें तो एक शतक उनके बीच इस विशेष प्रारूप में कप्तान के रूप में 22 शतकों के साथ संख्या बराबर हो जाएगी। गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में कोहली जबरदस्त फार्म में नजर आए थे। उन्होंने 5 मैचों में 231 रन ठोके थे और तीन मैचों में जीत दिलाने में कोहली का बड़ा हाथ रहा है। उन्होंने सीरीज के दौरान नाबाद 80, नाबाद 77 और नाबाद 73 रन बनाए।

सड़क सुरक्षा पर जागरूकता फैलाने में सक्षम रहे : सचिन

रायपुर. टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में खेलने वाली सभी छह टीमें सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने में सक्षम रही हैं। सचिन सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यहां शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल थे और वह इंडिया लेजेंड्स की कप्तानी कर रहे थे। उनकी टीम ने फाइनल में श्रीलंका लेजेंड्स को 14 रनों से हराकर यह ट्रॉफी जीती थी। सचिन ने कहा, यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण था और मुझे उम्मीद है कि इसमें शामिल सभी छह टीमें सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने में सक्षम रहीं। मैं उन सभी टीमों की सराहना करता हूं जिन्होंने यहां आकर इसके लिए जागरूकता फैलाने में हमारा साथ दिया। यह एक ऐसा संदेश है जिसे हमें पूरी दुनिया में फैलाना है। इससे जुड़कर सुखद महसूस किया।

जरूरी नहीं कि टी20 विश्व कप में भी रोहित और मैं पारी का आगाज करें : कोहली

पुणे ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि सूर्यकुमार यादव के जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह देने के लिए उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पारी के आगाज करने का फैसला किया लेकिन इस बात की कोई 'गारंटी% नहीं है कि वह टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। कोहली का रोहित के साथ पारी का आगाज करने का फैसला सफल रहा था और पांचवें मैच में दोनों की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम टी20 श्रृंखला अपने नाम करने में सफल रही। कोहली ने कहा कि मैदान में किन खिलाड़ियों के संयोजन के साथ जाना है, इस पर चयनकर्ताओं की कोई भूमिका नहीं होती है। यह ठीक वैसे ही है जैसे टीम चयन में टीम प्रबंधन की कोई भूमिका नहीं होती। जैसा कि रोहित ने कहा था कि यह रणनीतिक फैसला था, लेकिन हां, हमें साथ में बल्लेबाजी करना पसंद है, हमें साझेदारी बनाना पसंद है। हमारे साथ में बल्लेबाजी का असर भी दिखा। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह भविष्य में भी जारी रहेगा। सूर्यकुमार ने अपने पदार्पण मैच में शानदार बल्लेबाजी से कोहली को 'आश्चर्यचकित' कर दिया था और पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में टीम में उनको बनाये रखने के लिए कप्तान ने पारी का आगाज करने का फैसला किया। भारत ने इस मैच में ने सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की जगह अतिरिक्त गेंदबाज टी नटराजन को मौका दिया। कोहली ने कहा कि मैंने चौथे नंबर, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है। मैं सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी भूमिका को समझने की कोशिश भी कर रहा हूं। टी20 क्रिकेट में मैं पहले भी इसे सफलतापूर्वक कर चुका हूं। इससे शानदार लय में चल रहे सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ी को अपना नैसर्गिक खेल दिखाने का मौका मिलता है। अगर वह ऐसा खेलना जारी रखते है तो मैं टीम के लिए कोई भी भूमिका निभाने को तैयार हूं। हम विश्व कप के करीब पहुंच कर इस बारे में चर्चा करेंगे। सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टी20 टीम से अपनी जगह गंवा दी, लेकिन कोहली ने स्पष्ट किया कि वह मंगलवार को पहले वनडे में रोहित के साथ पारी का आगाज करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह श्रृंखला टी20 विश्व कप के तैयारी के रूप में काम करेगी। हां, हमने कुछ बातों को लेकर टीम के अंदर चर्चा की है, हम उन चीजों पर नजर रखेंगे। कोहली ने कहा कि जहां तक वनडे में सलामी बल्लेबाजी का सवाल है, शिखर और रोहित निश्चित रूप से पारी शुरू करेंगे। जब एकदिवसीय क्रिकेट की बात आती है, तो मुझे नहीं लगता कि रोहित और शिखर के एक साथ खेलने पर कोई समस्या या संदेह है। वे पिछले कुछ वर्षों में हमारे लिए अद्भुत रहे हैं। भारतीय टीम ने एकदिवसीय श्रृंखला की टीम में सूर्यकुमार के अलावा कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कृणाल पंड्या को टीम में जगह दी है।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन : ओकुहारा ने जीता ऑल इंग्लैंड महिला एकल खिताब

बर्मिंघम. दूसरी सीड जापान की नोजोमी ओकुहारा ने फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को हराकर ऑल इंग्लैंड महिला वर्ग का खिताब जीत लिया है। नोजोमी ने 44 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में चोचुवोंग को 21-12, 21-16 से हराकर इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। नोजोमी इससे पहले 2016 में भी चैंपियन बन चुकी हैं। जीत के बाद नोजोमी ने कहा, ऑल इंग्लैंड की एक बार फिर चैंपियन बनकर काफी खुश महसूस कर रही हूं। मैं अन्य मुकाबलों की तरह ही फाइनल में भी खेलना चाहती थी और मैं अपने शॉट्स को अच्छे से खेलना चाहती थी जैसा मैंने किया। चोचुवोंग का ऑल इंग्लैंड में यह पहला फाइनल था और मुझे लगता है कि वह थोड़े दबाव में थीं। उन्होंने कहा, पांच वर्ष पहले मैंने यहां खिताब जीता था तो मुझे पर किसी तरह का दबाव नहीं था। इस बार में महिला एकल वर्ग में शीर्ष पांच खिलाड़ियों में थीं जिससे स्थिति बदली। मेरा ओवरऑल प्रदर्शन उच्च स्तर पर रहा जिसकी मुझे खुशी है।

केईबीए प्रेपारेट्री स्कूल में शामिल हुए एनबीए अकादमी इंडिया ग्रेजुएट हर्षवर्धन

नई दिल्ली. मध्य प्रदेश के भिंड के रहने वाले एनबीए अकादमी इंडिया ग्रेजुएट हर्षवर्धन तोमर बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टुडेंट-एथलीट के रूप में सिंसिनाती, ओहियो स्थित केईबीए प्रेपारेट्री में शामिल हो गए हैं। वह अमेरिका में हाई स्कूल या कालेज बास्केटबाल प्रोग्राम के तहत खेलने का मौका पाने वाले एनबीए अकादमी इंडिया के पांचवें पुरुष स्टुडेंट-एथलीट (छात्र-खिलाड़ी) बन गए हैं। तोमर ने पहली बार 2015 में रिलायंस फाउंडेशन जूनियर एनबीए कार्यक्रम में भाग लिया था। 2018 में, वह एसीजी-एनबीए जंप प्रोग्राम के माध्यम से दूसरी श्रेणी के छात्र-एथलीटों के रूप में एनबीए अकादमी इंडिया में शामिल हो गए थे। सेंटर पोजीशन से खेलने वाले मध्य प्रदेश के भिंड के निवासी एनबीए द्वारा आयोजित कई बास्केटबॉल डेवलपमेंट शिविरों (कैम्प्स) का हिस्सा रहे हैं। इनमें शेर्लोट में आयोजित एनबीए ऑल-स्टार 2019 के दौरान 2019 एनबीए अकादमी गेम्स और बास्केटबॉल विदाउट बॉर्डर्स (बीडब्ल्यूबी) ग्लोबल शिविर शामिल हैं। इसके अलावा तोमर एनबीए अकादमी इंडिया टीम की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2019-20 में हंगरी में आयोजित यूरोपियन यूथ बास्केटबॉल लीग (ए इछ) में हिस्सा लिया था। तोमर ने कहा, मैं इस अवसर के लिए केईबीए प्रेप स्कूल का वास्तव में आभारी हूं। साथ ही साथ मैं अपने खेल में नई आयामों को जोड़ने और एक ही समय में अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हूं। मैं अपनी मां को धन्यवाद देता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़ी रहीं। साथ ही साथ मैं मेरे जीवन के इस अध्याय के लिए मुझे तैयार होने में मदद करन के लिए एनबीए अकादमी इंडिया में मेरे कोचों और साथियों का भी धन्यवाद करना चाहता हूं।

यूएई और ओमान के खिलाफ अनुभव से सीखने को मिलेगा : छेत्री

नई दिल्ली.

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री का कहना है कि उन्हें उम्मीद है टीम को ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले दोस्ताना मुकाबलों के अनुभव से सीखने को मिलेगा। भारत एक साल से ज्यादा समय के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी करेगा। भारतीय टीम को यूएई और ओमान के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले खेलने हैं। भारत का यूएई के साथ 25 मार्च और ओमान के साथ 29 मार्च को मुकाबला होना है। फीफा रैंकिंग के अनुसार यूएई 74वें और ओमान 81वें स्थान पर है जबकि भारत 104वें नंबर पर है। छेत्री ने एआईएफएफ डॉट कॉम से कहा, ÷एक साल तक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूर रहना दुखद है। लेकिन यह अजीब समय है और स्थिति हमारे हाथ में नहीं है, तो हमें इस बारे में शिकायत नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि भारतीय टीम इस महीने दो दोस्ताना मुकाबले खेलेगी। दुर्भाग्य से मैं इसका नहीं हिस्सा नहीं हूं। छेत्री कोरोना संक्रमित होने के कारण दुबई में जारी राष्ट्रीय शिविर के लिए 27 सदस्यीय दल का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि भारतीय टीम उच्च रैंकिग की टीम के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। छेत्री ने कहा, ÷मैंने हमेशा से कहा है कि हमें एशिया में अच्छा करने की जरूरत है और यह तभी होगा जब हम शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेंगे। ओमान और यूएई बिलकुल फिट बैठते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने संभावित प्रतिद्वंद्वी के बारे में सुना और मैं काफी उत्साहित हुआ। मैं उम्मीद करता हूं कि एक टीम के रूप में हम ज्यादातर मौकों को भुनाएंगे तथा सबसे महत्वपूर्ण इस अनुभव से सीख लेंगे।

बैडमिंटन : ली जी बने ऑल इंग्लैंड चैंपियन

बर्मिंघम.

मलेशिया के ली जी जिया ने फाइनल मुकाबले में गत विजेता डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन को हराकर ऑल इंग्लैंड बैडमिटन ओपन में पुरुष वर्ग का खिताब जीत लिया। ली जी ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मुकाबले में एक्सेलसन को 30-29, 20-22, 21-19 से हराया। यह हाल के दिनों में सबसे बेहतर फाइनल मुकाबलों में से एक था जिसमें ली जी ने पहले गेम में एक्सेलसन को मात दी जबकि दूसरे गेम में ली जी पिछड़ गए। हालांकि तीसरे गेम को जीत ली जी विजेता बने। ली जी ने कहा, मैं खुश हूं, उत्साहित हूं तथा दुखी भी हूं। सभी चीज एक ही पल में सामने आ रही है इसलिए अपनी भावना को दर्शाना मेरे लिए कठिन है। तीसरे गेम तक हम दोनों ने ही शानदार खेल का प्रदर्शन किया। तीसरे गेम में एक्लेसन का ध्यान हटा और मुझे इसका लाभ मिल गया। उन्होंने कहा, पहला गेम जिसे मैंने 30-29 से जीता, काफी कठिन गेम था। दूसरे गेम में मैंने सिंगल अंक पर ध्यान केंद्रित किया। मैं ध्यान नहीं भटकाना चाहता था। इससे मेरे विपक्षी खिलाड़ी को फायदा मिलता। मैंने अपने आप से कहा था कि सभी अंक लेने पर ध्यान देना है।

ला लीगा : सुआरेज के 500वें गोल से जीती एटलेटिको मेड्रिड

मेड्रिड.

लुइस सुआरेज के 500वें गोल और जेन ओब्लाक द्वारा किए गए बेहतरीन सेव की मदद से एटलेटिको मेड्रिड ने अल्वेस को 1-0 से हराकर स्पेनिश लीग ला लीगा में टेबल में टॉप पर चार अंकों की अपनी बढ़त को कायम रखा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार रात खेले गए मुकाबले में दोनों टीमें पहले हाफ में गोलरहित रही। लेकिन दूसरे हाफ के शुरू होने के नौ मिनट बाद ही सुआरेज ने गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिला दी।अल्वेस को बराबरी करने का मौका भी मिला। लेकिन जेसुलो के पेनाल्टी पर ?लिए गए शॉट को ओब्लाक ने रोक दिया और एटलेटिको मेड्रिड को जीत दिला दी।

एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी टीम इंडिया

पुणे ।

टीम इंडिया यहां मंगलवार से मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ शुरु होने वाली तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। टी20 में मिली शानदार जीत से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका भी उसे लाभ होगा। टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय हैं। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ ही सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा लय में हैं। टीम 20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचने वाले सूर्यकुमार यादव से भी भारतीय टीम को इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड ने टी20 में जीत से शुरुआत की थी पर इसके बाद वह पिछड़ गयी। अब कप्तान इयॉन मॉर्गन अपनी टीम की कम गलतियों को ठीक कर दौरे का समापन जीत के साथ करना चाहेंगे। इसलिए मेहमान टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार इस सीरीज को जीतना रहेगा। इन कमियों को दूर करके दौरे का सकारात्मक अंत करना चाहेगी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पर सभी की निगाहें रहेंगी क्योंकि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। खास तौर पर यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। टी20 में वह नाकाम रहे हैं, ऐसे में इस बार प्रदर्शन नहीं करने पर वह बाहर हो जाएंगे क्योंक सलामी बल्लेबाज के लिए भारत के पास शीर्ष क्रम में कई विकल्प मौजूद हैं। शुभमन गिल अभी टीम में हैं जबकि पृथ्वी शॉ और देवदत्त पडिक्कल भी लगातार अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश कर रहे हैं। इस सीरीज में पूरी संभावना है कि रोहित शर्मा के साथ धवन पारी की शुरुआत करेंगे। रोहित ने टी20 में शानदार प्रदर्शन किया था और वह अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। एकदिवसीय प्रारुप में धवन बेहतर प्रदर्शन कर फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे। कप्तान विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी पारियां खेली और एकदिवसीय में भी वह बड़ी पारियां खेलने का प्रयास करेंगे क्योंकि वह एक साल से अधिक समय से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। वहीं लोकेश राहुल और ऋषभ पंत दोनों के अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है। राहुल को हालांकि शीर्ष क्रम में नहीं बल्कि मध्यक्रम में उतारा जाएगा। वह पिछले साल से मध्यक्रम में ही खेल रहे हैं। पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के साथ हार्दिक पंड्या के साथ निचले मध्यक्रम में अहम भूमिका निभानी होगी। ऐसी स्थिति में अंतिम एकादश में एक जगह के लिये मुंबई के श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। सूर्यकुमार ने टी20 सीरीज में अपने करारे शॉट से प्रभावित किया था, लेकिन अय्यर पिछले कुछ समय से मध्यक्रम में अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।

स्टोक्स को छठे नंबर पर भेजना गलत : पीटरसन

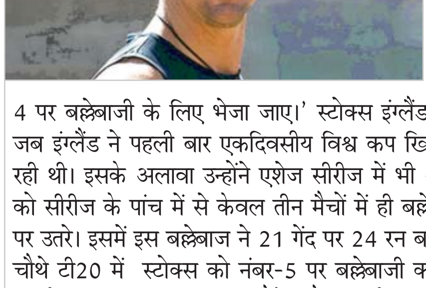

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर केविन पीटरसन ने कहा है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को बल्लेबाजी के लिए छठे नंबर-6 पर भेजना सही नहीं है। पीटरसन ने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷ स्टोक्स को बल्लेबाज के तौर पर नंबर-6 पर भेजना और वैकल्पिक गेंदबाज के तौर पर उनका उपयोग करना उन्हें बेकार करने जैसा है। यह टीम के लिए भी नुकसानदेह है। वहीं बेयरस्टो टी20 ओपनर है , अगर वो पारी शुरु नहीं करते हैं तो स्टोक्स को नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाए।' स्टोक्स इंग्लैंड टीम के अहम खिलाड़ियों में से एक हैं। साल 2019 में जब इंग्लैंड ने पहली बार एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीता था तो उसमें स्टोक्स की सबसे अहम भूमिका रही थी। इसके अलावा उन्होंने एशेज सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। स्टोक्स को सीरीज के पांच में से केवल तीन मैचों में ही बल्लेबाजी का अवसर मिला। दूसरे टी20 में स्टोक्स छठे नंबर पर उतरे। इसमें इस बल्लेबाज ने 21 गेंद पर 24 रन बनाए। वे पारी के दौरान सिर्फ एक चौका लगा सके थे। वहीं चौथे टी20 में स्टोक्स को नंबर-5 पर बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने इसका लाभ उठाया। स्टोक्स ने 23 गेंद पर 46 रन बनाए। 4 चौके और 3 छक्के लगाये। वहीं अंतिम टी20 मैच में स्टोक्स को एक बार फिर 6 नंबर पर भेजा गया। तेज रन बनाने के चक्कर में वे 12 गेंद पर सिर्फ 14 रन बना सके। इस मैच में स्टोक्स का उपयोग पांचवें गेंदबाज के रूप में किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्तियों से सौंदर्य

प्रकृति ने पत्तियों में बहुत सारे गुण प्रदान किये हैं जो सेहत और सौं दर्य के लिए वरदान से कम नहीं। कुछ उदाहरण :-

-नीम की कच्ची कोपलों को पीस कर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाने मुंहासे कम होते हैं। यह स्किन के लिए अच्छे फेसवॉश का भी काम करता है। खासकर तैलीय त्वचा के लिए यह बेहतरीन क्लींजर है।

-नींबू की कोमल पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलायें। चेहरे पर फेसपैक को कुछ देर लगाकर रखें। इससे रंग में निखार आता है और ताजगी का अहसास होता है।

-तुलसी की पत्तियों को सुखाकर बारीक पाउडर बना लें। इसे टेल्कम पाउडर की तरह स्किन पर रगड़ने से चेहरे के दागध ब्बे कम हो जाते हैं।

-आंखों में ताजगी लाने और डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए पुदीने की पत्तियां पीस कर लगानी चाहिए। ताजा हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की गर्मी निकल जाती है।

-मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसमें आंवले का रस मिलायें। बालों में अच्छी तरह लगायें और कुछ समय बाद धो डालें। इससे बालों में चमक आती है।

-तुलसी की पत्तियों का रस निकालकर उसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें। चेहरे पर लगाकर सूखने दें। साफ पानी से धो डालें। इससे ब्लैक स्पॉट मिटते हैं और त्वचा निखरी-निखरी नजर आती है।

-नीम की पत्तियों का पेस्ट बनाकर बालों की जड़ों में अच्छे से लगाने से रूसी दूर हो जाती है। इससे सिर में होने वाले दूसरे इंफेक्शन और जुओं से भी छुटकारा मिलता है।

-मेहंदी की हरी या सूखी पत्तियों का पेस्ट बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है।

-मीठे नीम की पत्तियों के रस को छाछ के साथ मिलाकर पीने से बालों को असमय सफेद होना बंद हो जाता है।

पत्तियों से स्वास्थ्य

-तुलसी की कुछ पत्तियां मुंह में रखकर धीरे-धीरे चबाने से दुर्गंध नहीं आती, दांत के दर्द में आराम मिलता है और रक्त भी शुद्ध होता है।

-मधुमेह के रोगियों के लिए पालक की हरी पत्तियों का सेवन बहुत ही लाभकारी होता है।

-अमरूद के पत्तों को पान की तरह कत्था लगाकर चबाने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

-पुदीने की कुछ पत्तियां सुबह शाम चबाने से दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं और मुंह में ताजगी बनी रहती है।

-आम की कच्ची कोपलों को दांतों से खूब चबाकर थूक दें। दांत मजबूत और चमकदार बन जायेंगे।

-ब्राह्मी की पत्तियों का थोड़ा-सा ताजा रस (एक चम्मच) लेने से सर्दी-खांसी और उल्टी-दस्त बंद हो जाते हैं।

-नीम की पत्तियों के पेस्ट में थोड़ी-सी हल्दी मिलाकर लगाने से फुंसियां ठीक हो जाती हैं।

-हैजा, पेटदर्द, अजीर्ण, हिचकी बंद न होना, चर्मरोग और ब्लडप्रेशर कंट्रोल जैसी कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए पुदीना की पत्तियां कारगर दवा है। पुदीना एंटीबायोटिक औषधि का भी काम करती है।

-मेहंदी की पत्तियों का पेस्ट पैरों के तलवों में लगाने से जलन कम होती है, ठंडक और सुकून का अहसास होता है।

-पालक की पत्तियों में मौजूद फ्लेजेवोनॉइडस एंटीऑक्सीडेंट्स का काम करते हैं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पालक में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है जो आंखों, बालों और त्वचा के लिए कफी फायदेमंद होता है।

-बथुए की पत्तियों को उबालकर उनका रस पीने से पेट और पेशाब के रोग ठीक होते हैं।

-पीपल की ताजी हरी पत्तियों का रस कान में टपकाने से कान का दर्द दूर होता है।

-कढ़ी पत्ता (मीठा नीम) के कुछ पत्तियों के रस को नींबू के रस और शक्कर के साथ मिलाकर पीने से अपच, उल्टी और थकान मे आराम मिलता है।

-हरे धनिये की पत्तियां वातनाशक और पाचनशक्ति को बढ़ाने वाली होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी भिगोकर मसलकर पानी को छान लें।

ब्यूटी टिप्स

होली के रंग निकाले, रूप निखार

युवाओं को होली के रंग-बिरंगे पर्व का खास इंतजार रहता है। क्यों न हो! होली का त्योहार ही कुछ ऐसा है। पर होली के लाल-पीले रंगों से सबसे ज्यादा डर लड़कियों को लगता है कहीं कलर्स से उनकी त्वचा को नुकसान न पहुंचे।

बस इसीलिए कभी-कभी मन में उमंग होते हुए भी इस उत्सव का पूरी तरह आनंद नहीं उठाया जाता। होली के रंग कहीं त्वचा व रंग को बर्बाद न कर दे, यही आशंका बनी रहती है। लेकिन घबराइए नहीं, हमारे पास हैं रंगों को छुड़ाने के कुछ आसान से नुस्खे, जो आपके घर में ही उपलब्ध हैं। बस इन्हें इस्तेमाल कीजिए और रंगों को आसानी से छुड़ा लीजिए। तो फिर तैयार हैं न आप होली खेलने के लिए...!

* बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी स्कीन पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।

* खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिला लें। और इसका पेस्ट तैयार कर इससे मुंह धोएं। आपके चेहरे पर लगे सारे रंग के दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे और त्वचा खिली-खिली हो जाएगी।

* मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है।

* अगर आपकी त्वचा पर ज्यादा गहरा रंग लग गया हो तो दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑइल मिलाकर लेप बनाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अब स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। और फिर बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएँ। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा।

* जौ का आटा व बादाम का तेल मिक्स कर लें। उसको त्वचा पर लगाकर रंग को साफ करें।

* दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।

* संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ होकर उसमें निखार आएगा।

कहीं नुकसान न पहुंचा दे होली के रंग

अब रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जा रहा है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। लेकिन रंग खेलते हुए अगर थोड़ी सी लापरवाही हो जाए तो आपकी आंखों और त्वचा को काफी नुकसान हो सकता है। कैसे खेलें होली, क्या बरतें सावधानी,

होली के समय में हमारी आंखों को सबसे अधिक नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि होली में इस्तेमाल किए जाने वाले रंग आंखों में जलन, संक्रमण पैदा कर सकते हैं या फिर आंखों को चोटिल कर सकते हैं। होली के बाद अस्पतालों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतनी चाहिए।

आंखों में जलन की समस्या

कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आपकी दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है? यदि हां तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

ये सावधानियां हैं जरूरी

अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए तो अपनी आंखों को बंद करके पहले बचाने का प्रयास करें।

आंखों में चश्मा पहनें, जिससे खतरनाक रंगों के रसायन से आपकी आंखें बच सकें।

बालों पर कोई बड़ी-सी टोपी या हैट लगाएं, जिससे आपके बालों का केमिकल डाई के दुष्प्रभाव से बचाव हो सके।

नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके।

घर पर खुद ही रंग बनाएं और उन्हीं का इस्तेमाल करें। बाहर के खरीदे हुए हानिकारक रंगों को इस्तेमाल न ही करें तो ही अच्छा है।

बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें, क्योंकि गुब्बारे कभी भी किसी की आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें।

ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें, जो हाथों से आपके चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें ताकि रंग आपके मुंह या आंखों में न जा पाए।

होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएं तो रंग आसानी से निकल जाए।

यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छीटे मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

होली के बाद आपको आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाब जल छिड़क कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आपकी थकी हुई आंखों को आराम मिलेगा।

यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डॉक्टर के पास जाएं।

यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्त्रव हो, तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत अस्पताल जाएं।

आंखों को चोट न लगे

गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं, जो यदि आंखों में चले जाएं तो कॉर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कॉर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंखों में अंदरूनी रक्तस्त्रव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विशेषज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें।

कोरोना ने बढ़ाई दहशत

26 मार्च से लॉकडाउन की अफवाह, पलायन कर रहे हजारों मजदूर

क्रांति समय दैनिक

सूरत,कोरोना ने एक बार फिर गुजरात में संक्रमण की रफ्तार बढ़ने के कारण शहरों के हालत तो बिगड़ ही रहे हैं, इसके साथ ही लोगों के मन में एक बार फिर से लॉकडाउन लगने की शंका घर कर गई है। ऐसे में लोग अपने घर-परिवार व सामान सहित पलायन कर रहे हैं। प्रदेश के सूरत, राजकोट, भावनगर, अहमदाबाद व राजकोट में कोरोना संक्रमण तेजी पकड़ रहा है, जिसके चलते 26 मार्च से लॉकडाउन लगने की अफवाह ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि, पिछले हफ्ते से मजदूरों का घर लौटने का सिलसिला कुछ ऐसा है कि प्रतिदिन करीब 500-1000 मजदूर अपने घरों की ओर लौट रहे हैं।

आपको बता दे कि पिछले साल लगे लॉकडाउन के कारण प्रवासी मजदूरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। ऐसे में एक बार फिर से लोग लॉकडाउन की अफवाह में घर की जाने का फैसला कर रहे हैं। उन्हें डर है कि कहीं पिछले साल जैसा ही लॉकडाउन न लग जाए और खाने के लिए मोहताज न होना पड़े। इसी चिंता में मजदूर अपने परिवार व सामान के साथ घरों की तरफ लौट रहे हैं। वैसे में यह बात सच नहीं है कि, अगले २६ मार्च को लॉकडाउन लग रहा है। चूंकि होली की वजह से ट्रेनों में जगह नहीं है, इसलिए अब गांव जाने के लिए लोग बसों का भी सहारा ले रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ सूरत की पांडेसरा पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में ट्रैवल्स एजेंसी से जुड़े कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि होली के त्यौहार के चलते ट्रेनों की संख्या में कमी है, जिस कारण ये सब लोग अफवाह फैलाकर मोटी कमाई करने के चक्कर में हैं। ऐसे में लोग अफवाह को सच मानते हुए अपने-अपने घरों की और बसों का सहारा ले रहे हैं। लॉकडाउन की अफवाह को न फैलने देने के लिए भाजपा के सांसद सीआर पाटिल ने भी साफ किया है कि लॉकडाउन लगने की बात बिल्कुल गलत है, लोगों को शहर छोड़कर जाने की जरूरत नहीं है। वहीं मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी साफ कर दिया है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। लॉकडाउन बिल्कुल नहीं लगाया जाएगा।

दरअसल, पांडेसरा के वड़ोद गांव के अलावा लिंबायत, डिंडोली से हर दिन 30 से ज्यादा बसें जा रही हैं, इसमें लोग अपने

11 साल की किशोरी से युवक ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर के डुमस क्षेत्र में 11 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पीड़िता के माता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के डुमस क्षेत्र में 11 वर्षीय किशोरी परिवार के साथ रहती है। रात्रि के दौरान किशोरी उसकी कॉलोनी में रहनेवाले विमलेश की दुकान पर गई थी। किशोरी के अकेले होने का फायदा उठाकर किशोरी उसे एक कमरे में खींच ले गया। जहां उसके हाथ रस्सी से बांध दिए और उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद विमलेश ने किशोरी को धमकी दी कि यदि उसने किसी से कोई शिकायत की तो वह उसके माता-पिता को जान से मार देगा। जिसके बाद विमलेश वहां से फरार हो गया। किसी प्रकार से रस्सी से मुक्त होकर किशोरी अपने घर पहुंची। तब माता ने उसे इतनी देर से आने का कारण पूछा। लेकिन उस वक्तकिशोरी ने कुछ नहीं बताया। दूसरे दिन बेटी को गुमसूम बैठी देख प्यार से इसकी वजह पूछी। तब किशोरी ने विमलेश द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किए जाने की बात बताई। किशोरी की माता की शिकायत के आधार पर डुमस पुलिस ने विमलेश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की और उसे चंद घंटों में गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया है। जानकारी के मुताबिक विमलेश पहले भी अन्य एक किशोरी के साथ छेड़छड़ कर चुका है। उस वक्त लोगों ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया और विमलेश को फटकार लगाकर छोड़ दिया

गुजरात में कोरोना ने पिछला रिकार्ड तोड़ा, 24घंटों में 1640 नए केस, 4 मौत

क्रांति समय दैनिक

गुजरात में फिर एक बार कोरोना अपने पिछले रिकार्ड तोड़ रहा है। पिछले कई दिनों से राज्य में रोजाना केसों में औसत 60-70 केस बढ़ रहे हैं। रविवार को गुजरात में 1580 मरीज सामने आए थे। सोमवार को कोरोना के नए केसों का आंकड़ा 1640 पर पहुंच गया। पिछले साल 27 नवंबर 2020 को गुजरात में 1607 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए थे और आज 1640 नए मरीज सामने आए हैं। सोमवार को राज्य में 4 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई, जबकि 1110 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 276348 मरीज कोरोना को मात देकर अपने घर लौट चुके हैं। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 95.74 प्रतिशत है। फिलहाल राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या 7847 है, जिसमें 7774 स्टेबल हैं और 73 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। सोमवार को

अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 2 और सूरत कॉर्पोरेशन में 2 समेत राज्य में कोरोना से चार लोगों की मौत हो गई। राज्य में अब तक कुल 4454 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सोमवार को अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 481, सूरत कॉर्पोरेशन में 429, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 139, राजकोट कॉर्पोरेशन में 126, सूरत में 54, खेड में 41, राजकोट में 26, भावनगर कॉर्पोरेशन, दाहोद और पंचमहल में 23-23, जामनगर कॉर्पोरेशन में 22, वडोदरा में 20, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 19, कच्छ और मोरबी में 17-17, नर्मदा में 16, गांधीनगर में 15, पाटन में 15, भरूच में 14, मेहसाणा में 12, अमरेली में 10, आणंद, भावनगर और जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 9-9, गिर सोमनाथ और नवसारी में 8-8 समेत राज्यभर में कुल 1640 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए। टीकाकरण अभियान के तहत अब तक राज्य में 3274493 लोगों को पहला और 603693 लोगों को कोरोना का दूसरा समेत अब तक कुल 3878186 लोगों को टीका लगाने की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। वहीं आज 60 वर्ष से अधिक आयु के और 45 से 60 साल के गंभीर बीमारियों से पीड़ित 222186 लोगों को कोरोना टीका लगाया गया।

सार-समाचार

गुजरात विधानसभा में उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा – इस्तीफा दे दूंगा

गांधीनगर ,गुजरात विधानसभा में सुजलाम सुफलाम योजना पर चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल अचानक भड़क गए और कहा कि यदि नर्मदा से कोई लाभ नहीं हुआ है तो मैं अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा। दरअसल विधानसभा में सुजलाम सुफलाम योजना को लेकर विपक्ष के नेता परेश धानाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के बीच तीखी नोंक झोंक हुई। उस दौरान नितिन पटेल ने कहा कि यदि कोई ऐसा कहता है कि इस योजना से कोई फायदा नहीं हुआ है तो वह साबित कर बताए। सरासर झूठ से अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकना उचित नहीं है। नितिन पटेल ने कहा कि कोई भी व्यक्तियह सिद्ध करता है तो वह अपने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने को तैयार हैं। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोंकझोंक देख सदन का माहौल को शांत करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने नितिन पटेल से कहा कि आप इस्तीफा देने को तैयार हो, लेकिन मैं उसे स्वीकार नहीं करूंगा। अध्यक्ष ने कहा कि अच्छे राजनेता की राष्ट्र और राज्य दोनों को जरूरत है। बीते दिन कांग्रेस विधायकों द्वारा आदिवासी शब्द पर आपत्ति उठाने पर नितिन पटेल ने आज कहा कि उन्होंने निर्दोष भाव से इसका उपयोग किया था। यदि इस शब्द के उपयोग से किसी की भावना को ठेस पहुंची है तो उसके मैं क्षमा प्रार्थी हूं। हांलाकि साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए वह ऐसे मुद्दों को विवादित बनाने के प्रयास करती रहती है। नितिन पटेल ने विधानसभा में ऐलान किया कि अहमदाबाद, दहेगाम और धनसुरा की सड़क चार मार्गीय बनाई जाएगी। 190 करोड़ रुपए की लागत से 10 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों को 5.5 मीटर चौंड़ा किया जाएगा। पीडीपीयू जंक्शन पर फ्लाई ऑवर बनाए जाएंगे। नर्मदा ब्रिज और सड़क को फोर लेन करने का भी उप मुख्यमंत्री ने ऐलान किया।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में दर्शक नहीं सटोडिए पहुंच गए, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अहमदाबाद,शहर में कोरोना के केसों की वृद्धि के बाद भारत-इंग्लैंड के बीच खेली गई टी-20 की अंतिम तीन मैचों में दर्शकों के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। मैच देखने दर्शक तो नहीं पहुंच पाए, लेकिन कानून की आंख में धूल झोंक कर हरियाणा के दो सटोडिए न सिर्फ स्टेडियम में घुसे बल्कि वहीं बैठक सट्टेबाजी की थी। पुलिस ने दोनों सटोडियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है। दुनिया के सबसे बड़े नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच और टी-20 क्रिकेट मैच की श्रृंखला 20 मार्च को खत्म हुई है। टेस्ट मैच के बाद दोनों देशों के बीच पांच टी-20 मैचों का मुकाबला हुआ।4 टेस्ट मैच के बाद 2 टी-20 मैचों के दौरान स्टेडियम दर्शकों से भरा रहा। लेकिन अहमदाबाद समेत राज्यभर में कोरोना के केसों की वृद्धि के बाद टी-20 की अंतिम तीन मैचों में दर्शकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंध से दर्शक ही नहीं हरियाणा से आए 21 वर्षीय प्रीन्स गंभीर और 26 वर्षीय आशीष यादव नामक दो सटोडिए भी निराश हो गए। स्टेडियम की त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और उसे भेदकर स्टेडियम में दाखिल होना मुमकीन नहीं था। प्रीन्स और आशीष ने लाइव क्रिकेट मैच पर सट्टा बुक करने का तय कर लिया था

जिसके घर में रहता था उसी महिला को मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत ,शहर के कतारगाम क्षेत्र में एक युवक ने उसी महिला की चाकू घोंप कर हत्या कर दी जिसके घर वह रहता था और भोजन करता था।

पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम क्षेत्र की रेल राहत कॉलोनी में रहनेवाली गीता भरतभाई प्रजापति नामक महिला घर से भोजन का व्यवसाय करती थी। करीब एक महीने से हितेश उर्फ लालू नटवर वसावा नामक युवक गीता प्रजापति के घर में रहता था और वहीं भोजन भी करता था।

रविवार की रात किसी बात को लेकर हितेश और गीता प्रजापति के बीच झगड़ा हुआ। आवेश में आकर हितेश ने चाकू घोंप कर गीता प्रजापति को मौत के घाट उतार दिया।

खबर लगते ही कतारगाम पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल रवाना कर दिया।

सूरत के सिंगणपोर रोड स्थित गुरूकृपा सोसायटी निवासी रवि प्रजापति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हितेश वसावा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरूकर दी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुविधा में फंसा भारत, तमिलों का साथ दे या श्रीलंका के साथ पड़ोसी धर्म का करें निर्वाह

कोलंबो। (एजेंसी)।

मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले में श्रीलंका सोमवार को जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में एक मुश्किल प्रस्ताव का सामना करेगा। प्रस्ताव में जाफना प्रायद्वीप में लिट्टे के खिलाफ कार्रवाई के पीड़ितों को न्याय न मिलने और उनका पुनर्वास न कर पाने में सरकार की विफलता का उल्लेख होगा। श्रीलंका को लेकर एक बार फिर भारत उहापोह की स्थिति में है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में श्रीलंका की मदद और समर्थन करे या वह तमिल अल्पसंख्यकों की रक्षा और पक्ष में खड़ा हो। हाल के दिनों में श्रीलंका ने भारत से खुलकर समर्थन मांगा है। इसके लिए उसने चीन और पाकिस्तान को नाराज करते हुए कोलंबो पोर्ट के वेस्टर्न कंटेनर टर्मिनल के विकास को ठेका भी भारत को दिया। ऐसे में भारत की कूटनीति के समक्ष सबसे बड़ी दुविधा यह होगी कि वह तमिलों का साथ दें या श्रीलंका सरकार के पक्ष में खड़ा हो। सही मायने में यह भारतीय विदेश नीति की परीक्षा की घड़ी है। आखिर श्रीलंका की मदद में भारत की क्या है बड़ी दुविधा? यूएनएचआरसी में क्यों गरमाया है श्रीलंका का मुद्दा। चीन इस मामले में क्यों है मौन?

भारत के रुख पर टिकी दुनिया की नजर

प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस श्रीलंका के इस प्रस्ताव पर भारत का क्या स्टैंड होता है। खासकर तब जब परिषद का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बैचलेट की उस रिपोर्ट के बाद लाया गया है, जिसमें श्रीलंका में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई गई थी। इसके अलावा परिषद में श्रीलंका के मामले में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा था कि कोलंबो को तमिलों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि तमिलों की रक्षा के लिए श्रीलंका को संविधान में 13वें संशोधन को पूरी तरह से लागू करना चाहिए। ऐसे में भारत के सामने एक बड़ी चुनौती होगी कि वह तमिलों के हितों की रक्षा करते हुए पड़ोसी मुल्क का साथ निभाएं।

आखिर क्यों चिंतित है श्रीलंका

बता दें कि इस समय श्रीलंका संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सत्र में उसके खिलाफ लाए जाने वाले प्रस्ताव से चिंतित और भयभीत है। इस प्रस्ताव में युद्ध अपराधों के लिए श्रीलंका की आलोचना की गई है। इतना ही नहीं अंतरराष्ट्रीय अदालत में घसीटने की धमकी दी गई है। इसके अलावा मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए कथित रूप से जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ कठोर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। श्रीलंका को उम्मीद है कि भारत उसका साथ दे। बता दें कि कुछ दिन पूर्व संयुक्त राष्ट्र ने अपनी एक रिपोर्ट में लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष के अंतिम चरण के दौरान मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कदमों का आह्वान किया था।

श्रीलंका ने भारत को मनाने के लिए रखें ये तर्क

अभी हाल में श्रीलंका के विदेश सचिव ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में मतदान के लिए रखे जाने वाले प्रस्ताव में भारत उसका साथ नहीं छोड़ सकता। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के वसुधैव कुटुंबकम का हवाला देते हुए कहा था कि अगर विश्व एक परिवार है तो हम आपके सबसे निकट परिवार हैं। आपको हमारा साथ देना चाहिए। जयनाथ कोलंबेज ने कहा कि भारत अगर पड़ोसी देश को जेनेवा में समर्थन नहीं देता तो श्रीलंका बहुत असहज हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौजूदा परिषद के सदस्यों में शामिल भारत, पाकिस्तान, नेपाल और भूटान हमारा समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच कई समानताएं हैं। हम कोरोना वायरस से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों उल्लंघन के आरोप झेल रहे हैं। कोलंबेज ने कहा कि हमारे राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे ने पहली चिट्ठी भारतीय प्रधानमंत्री को लिखी और उन्होंने पहली मुलाकात भारतीय उच्चायुक्त से की। उन्होंने कहा कि हम दक्षिण एशियाई मुल्कों की एकजुटता को लेकर बहुत सचेत हैं। विदेश सचिव ने कहा कि हम आपसे कुछ असामान्य नहीं मांग रहे हैं।

सार समाचार

रूस और चीन के कोरोना टीकों के दाम तय करेगी इमरान खान सरकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेज वृद्धि के मद्देनजर निजी कंपनियों द्वारा आयात किये गए कोविड-19 टीकों का अधिकतम खुदरा मूल्य तय करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के औषधि नियामक प्राधिकरण ने पिछले सप्ताह देश में आयातित कोविड-19 टीकों का अधिकतम खुदरा मूल्य तय करने की प्रक्रिया अधिसूचित की थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रूसी टीके स्पूतनिक वी की दो खुराकों का अधिकतम खुदरा मूल्य 8,449 जबकि चीनी टीके कोनविडेशिया के टीके के एक इन्जेक्शन का दाम 4,225 रुपये होगा। पाकिस्तान में अब तक वयस्क टीकाकरण केन्द्रों (एवीसी) के जरिये कोविड-19 टीकाकरण चल रहा है। सरकार द्वारा टीके खरीदे जाने की प्रक्रिया बहुत धीमी गति है और वह संवेदनशील लोगों को टीके लगाने के लिये मोटे तौर पर दान पर निर्भर है। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,669 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 630,471 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के चलते 20 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या 13,863 हो गई है।

चीन में कनाडाई नागरिक के खिलाफ होगी सुनवाई,जासूसी का लगा है आरोप

बीजिंग। चीन में करीब दो साल पहले जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किये गए कनाडा के नागरिक माइकल कोवरिग के खिलाफ सोमवार को बीजिंग की एक अदालत में सुनवाई होगी। दरअसल कनाडा में चीन की दूरसंचार कंपनी की अधिकारी मेंग वांग्झू की गिरफ्तारी के बदले की कार्रवाई के रूप में चीन में कनाडा के नागरिक कोवरिग और उद्यमी माइकल स्पैवर को गिरफ्तार किया गया था। पूर्व राजनयिक कोवरिग के खिलाफ बीजिंग की एक अदालत में सुनवाई होगी जबकि उद्यमी स्पैवर के खिलाफ शुक्रवार को देंगदोंग की एक अदालत में प्रारंभिक सुनवाई पूरी हो चुकी है। दोनों कनाडाई नागरिकों पर चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जून 2020 में आरोप लगाए गए थे।

अफ्रीका के देश नाइजर में बंदूकधारियों ने 40 नागरिकों को गोलियों से भूना, कई घरों में लगाई आग

नियामी। पश्चिमी अफ्रीका के देश नाइजर के पश्चिमी क्षेत्र तेहुआ में अज्ञात बंदूकधारियों ने 40 नागरिकों की हत्या कर दी। नाइजर के एक सुरक्षा सूत्र ने सिन्हुआ एजेंसी को बताया कि हत्यारे बड़ी संख्या में मोटरसाइकिल से आए थे, उन्होंने इंटाजेने, बैकोरेट और अन्य स्थानों पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इस हमले में 40 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस दौरान बंदूकधारियों ने कई घरों को जला दिया। हालांकि, इस हमले की जिम्मेदारी किसी आंतकी संगठन ने नहीं लिया है। पिछले हफ्ते इसी इलाके में आतंकवादियों ने एक बड़ी वारदात को अजांम दिया था। बंदूकधारियों ने 58 नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया था।

देश में बोको हरम, आईएस और अल कायदा जैसे आतंकी संगठन सक्रिय

पश्चिमी नाइजर में हाल के वर्षों में फांस के आतंकवाद विरोधी सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों पर आतंकवादी हमलों को अजांम दिया है। 11 अगस्त, 2020 को नाइजर में फ्रांस के छह लोगों को अैर उनके दो स्थानीय गाइड की हत्या कर दी थी। ये सभी नाइजर के काउरे जिराफ पार्क घूमने गए थे। यह हमला जिस काउरे जिराफ पार्क में हुआ था, वह नाइजर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां करीब 72 किमी के दायरे में घने जंगल हैं। इस क्षेत्र में बोको हरम, आईएस (इस्लामिक स्टेट) और अल कायदा जैसे आतंकी संगठन सक्रिय हैं। ये आतंकी संगठन नाइजर की सीमा से सटे माली, बुर्किना फासो, नाइजीरिया और लीबिया जैसे देशों में आतंकी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

छोटे दलों के हाथों में होगी सत्ता की चाबी! क्या छठीं बार पीएम बनेंगे बेंजामिन नेतन्याहू

यरुशलम। इजरायल में 23 मार्च को होने वाले मतदान से पहले चुनावी सर्वेक्षण में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके विरोधियों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के अतिरिक्त याईर लपिड, गिडियन सार और नफ्ताली बेनेट सत्ता के प्रमुख दावेदार है। इजरायल में चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने के लिए देश में लगे लॉकडाउन की एक बड़ी श्रृंखला ने देश की अर्थव्यवस्था को काफी पीछे धकेल दिया है। इजरायल में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। इजरायल में कोरोना वायरस से अब तक 6,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विरोधियों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर पिछले एक साल में महामारी के प्रबंधन को रोकने का आरोप लगाया है।

इजराइल में 2 साल में चौथी बार होंगे आम चुनाव, नेतन्याहू और उनके विरोधियों के बीच कड़ा मुकाबला

यरुशलम। (एजेंसी)।

इजराइल में लंबे समय तक चले राजनीतिक गतिरोध और बेंजामिन नेतन्याहू पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते गत दो वर्षों में चौथी बार संसदीय चुनाव होने वाले हैं। मंगलवार, 23 मार्च को होने वाले मतदान से पहले हुए चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार नेतन्याहू के समर्थकों और उनके विरोधियों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। संसदीय चुनाव में नेतन्याहू के अतिरिक्त, याईर लपिड, गिडियन सार, और नफ्ताली बेनेट सत्ता के प्रमुख दावेदार हैं। नेतन्याहू, सबसे लंबे समय तक (पांच बार) देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वह इजराइल में कोविड-19 टीके की सफलता और अरब देशों के साथ राजनयिक संबंध सुधारने के दम पर चुनाव जीतने का दावा कर रहे हैं। इसके साथ ही राजनीतिक उठापटक से भरे दो साल में पहली बार नेतन्याहू को विपक्षी दलों से कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार, उनकी पार्टी 'लिकुड' और उसके सहयोगी दलों को बहुमत से कम पर संतोष करना पड़ सकता है।

विपक्षी दल के नेता याईर लपिड ने रक्षा मंत्री बेनी गांट्ज के सहयोग से पिछले साल चुनाव लड़ा था लेकिन नेतन्याहू और गांट्ज के बीच सत्ता की साझेदारी को लेकर हुए समझौते के बाद वह पीछे हट गए थे। इस बार उन्होंने नेतन्याहू को हराने का दावा करते हुए प्रचार किया है। सर्वेक्षणों में लपिड की पार्टी के दूसरे नंबर पर आने का अनुमान लगाया गया है। पूर्व शिक्षा मंत्री गिडियन सार को कभी नेतन्याहू का उत्तराधिकारी माना जाता था लेकिन उन्होंने सत्ताधारी दल से अलग होकर लिकुड पार्टी के पूर्व नेताओं के साथ मिलकर नया दल 'ए न्यू होप' बनाया है।

सार की पार्टी ने खुद को भ्रष्टाचार से मुक्त एक राष्ट्रवादी दल के रूप में पेश किया है। सर्वेक्षणों के अनुसार 'ए न्यू होप' को अपनी महत्वाकांक्षा के अनुरूप नतीजे मिलने की उम्मीद नहीं है। नेतन्याहू के पूर्व सहयोगी और अब विरोधी नफ्ताली बेनेट चुनाव के नतीजे आने के बाद 'किंगमेकर' की भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रवादी नेता और नेतन्याहू सरकार में पूर्व शिक्षा तथा रक्षा मंत्री बेनेट ने गठबंधन में शामिल होने से पूरी तरह इनकार नहीं किया है। लेकिन यदि नेतन्याहू के विरोधियों की सरकार बनती है तो वह उन्हें भी समर्थन दे सकते हैं।

चुनाव हार जाने के एक सप्ताह बाद गिलानी ने सीनेट के सभापति के चुनाव को दी अदालत में चुनौती

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री युसूफ रजा गिलानी ने कड़े मुकाबले में सीनेट के सभापति का चुनाव हार जाने के एक सप्ताह से भी अधिक समय बाद सोमवार को उसके परिणाम को चुनौती दी। सीनेट के वर्तमान सभापति सादिक सांजरानी (42) ने इस चुनाव में 68 वर्षीय गिलानी को हराया था। उन्हें प्रधानमंत्री इमरान खान के सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन प्राप्त था जबकि गिलानी सभी मुख्य विपक्षी दलों के गठबंधन-- पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के संयुक्त उम्मीदवार थे। निन्यानवे सदस्यीय सीनेट में सांजरानी को 48 वोट मिले जबकि गिलानी के पक्ष में 42 मत पड़े। ऊपरी सदन में बहुमत के बाद भी यह चुनाव नहीं जीत पाना विपक्ष के लिए एक झटका है। मतविभाजन में 98 सदस्यों ने हिस्सा लिया था। आठ वोट खारिज कर दिये गये थे जिनमें से सात पर गिलानी के नाम की मुहर थी।

उच्च सदन में विपक्ष के 52 सदस्य हैं जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन के 47 सदस्य हैं। गिलानी की ओर से फारूक एच नाईक ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है जिसे मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह ने 24 मार्च को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। गिलानी ने पीठासीन अधिकारी सैयद मुज्जफर हुसैन शाह, कानून एवं न्याय मंत्रालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, सीनेट सचिवालय और सीनेट के सभापति सादिक सांजरानी को प्रतिवादी बनाया है। उन्होंने अदालत से 12 मार्च को सीनेट के सभापति के लिए हुए चुनाव और सांजरानी की सभापति के रूप में जीत की घोषणा को अमान्य करार देने की दरख्वास्त की है। इस विवाद की जड़ में खारिज किये गये वे सात वोट हैं जो गिलानी के पक्ष थे लेकिन उन्हें पीठासीन अधिकारी ने तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया था।

भारत की भेजी गई कोरोना वैक्सीन बेचेगा दक्षिण अफ्रीका, एस्ट्राजेनेका टीकों की बिक्री की पुष्टि की

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली मखिजे ने भारत के 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' से प्राप्त कोविड-19 रोधी टीके 'एस्ट्राजेनेका' की 10 लाख खुराक बेचने की पुष्टि की है। यह खेप उसे पिछले महीने मिली थी। कोरोना वायरस के नए स्वरूप के खिलाफ टीके के सीमित प्रभाव होने की बात सामने आने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने इसे अपने स्वास्थ्य कर्मियों को लगाने की योजना फिलहाल स्थगित कर दी और अब इसे 14 अफ्रीकी देशों को बेच दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने हजारों स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक अन्य टीका लगाने का विकल्प चुना है, हालांकि देश में टीकों के वितरण में देरी के बीच तीन-चरण के निर्धारित टीकाकरण कार्यक्रम की धीमी दर को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली मखिजे ने रविवार को एक बयान में कहा, '' पिछले कुछ सप्ताह में, विभाग को यह सुनिश्चित करना पड़ा कि अफ्रीकी संघ (एयू) टीका अधिग्रहण टीम द्वारा टीका लेने वाले जिन देशों की पहचान की गई है, उनके पास नियामकों की अनुमति, परमिट और लाइसेंस हो।'' मखिजे ने पुष्टि की कि पिछले सप्ताह सोमवार तक स्वास्थ्य विभाग को पूर्ण खरीद राशि मिल गई थी। हालांकि यह राशि कितनी है, इसकी उन्होंने जानकारी नहीं दी। मंत्री ने कहा, '' एयू और दक्षिण अफ्रीकी दलों ने फिर यह सुनिश्चित किया कि टीकों को भेजे जाने के लिए उचित व्यवस्था की जाए।'' दक्षिण अफ्रीका में 'एस्ट्राजेनेका' के टीकों के इस्तेमाल को ऐसे समय में रोका गया है, जब इसको लगाने के बाद रक्त के थक्के जमने के कुछ मामले सामने आने की खबरें आ रही हैं। एयू के नौ सदस्य देशों के लिए टीके की पहली खेप रविवार को रवाना की गई। अन्य पांच देशों को आने वाले सप्ताह में टीके भेजे जाएंगे।

प्रदर्शनकारियों पर बर्बर कार्रवाई के जिम्मेदार म्यांमार के अधिकारियों पर ईयू लगाएगा पाबंदी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति के प्रमुख जोसफ बॉरेल ने सोमवार को कहा कि म्यांमार में हुए सैन्य तख्तापलट तथा इसका विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर हिंसक बल प्रयोग में संलिप्तता के आरोपी म्यांमार के 11 अधिकारियों पर ईयू प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करने से पहले बॉरेल ने संवाददाताओं से कहा, ''तख्तापलट और प्रदर्शनकारियों के दमन के जिम्मेदार 11 लोगों पर हम प्रतिबंध लगाने जा रहे हैं।'' म्यांमा की सेना जुंटा ने एक फरवरी को संसद के सत्र की शुरुआत से पहले तख्तापलट कर दिया था। सेना ने दावा किया था कि नवंबर में हुए चुनाव में धोखाधड़ी हुई थी। उक्त चुनाव में आंग सान सू ची पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की थी। जीत की पुष्टि करने वाले चुनाव आयोग को भी जुंटा ने हटा दिया है। म्यांमा में पांच दशक के सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की दिशा में जो थोड़ी बहुत प्रगति हुई थी, तख्तापलट के कारण उसे बहुत बड़ा झटका लगा। तख्तापलट के विरोध में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं और जुंटा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बर्बर कार्रवाई कर रहा है। यहां के हालात की जानकारी बाहरी दुनिया तक न पहुंच सके, इसके लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इंटरनेट तक पहुंच को अत्यंत सीमित कर दिया गया है, निजी प्रकाशकों के अखबारों के प्रकाशन को रोक दिया गया है और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

श्रीलंका को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकाय के प्रस्ताव का करना होगा सामना, भारत से समर्थन की उम्मीद

कोलंबो। श्रीलंका को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव का सामना करना पड़ेगा जिसे राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के लिए अग्निपरीक्षा माना जा रहा है। वह इस प्रस्ताव का ऐसे समय में सामना कर रहे हैं जब ऐसे आरोप लग रहे हैं कि 2009 में लिट्टे के साथ सशस्त्र संघर्ष समाप्त होने के बाद पीड़ितों को न्याय दिलाने और सुलह को आगे बढ़ाना सुनिश्चित करने में उनकी सरकार द्वारा किए गए प्रयास 'विफल' रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र इकाई में लगातार तीन बार श्रीलंका को प्रस्ताव पर हार का सामना करना पड़ा है, उस दौरान गोटाबाया के बड़े भाई और मौजूदा प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे 2012 और 2014 के बीच देश के राष्ट्रपति थे। अधिकारियों ने बताया कि मसौद प्रस्ताव 'श्रीलंका में मानवाधिकार और सुलह जवाबदेही प्रोत्साहन'सोमवार के सत्र में सूचीबद्ध है। विदेश मंत्री दिनेश गुणवर्धने ने संवाददाताओं को सप्ताहांत में बताया था कि पूरा प्रस्ताव खासतौर पर ब्रिटेन की ओर से राजनीति से प्रेरित है। इसी बीच श्रीलंका को चीन, रूस तथा पाकिस्तान समेत कई मुस्लिम देशों से समर्थन का आश्वासन मिला है। गुणवर्धने ने कहा, हम अपने ऊपर लगाए गए झूठे आरोपों को विफल करने की कोशिश कर रहे हैं और कई मित्र देशों ने इसमें हमसे हाथ मिलाया है। हमें उम्मीद है कि भारत भी इस बार हमारा समर्थन करेगा।'' हालांकि कोलंबो के अधिकारियों को ऐसा लगता है कि भारत मतदान में शामिल नहीं होगा।

दिमाग के लिए अच्छा है थोड़ा सा तनाव, बिल्कुल ही तनाव नहीं होने से कमजोर पड़ती है बौद्धिक गतिविधियां

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

आमतौर पर यही सुनते आ रहे हैं कि मानसिक तनाव स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता है। जो लोग तनाव मुक्त रहते हैं, वे खुशहाल रहकर ज्यादा ऊर्जावान बने रहते हैं। लेकिन एक शोध से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि यदि आप थोड़ा-सा तनाव लेते हैं तो यह आपके दिमाग के लिए अच्छा ही है।

पेन स्टेट के एक शोधकर्ता एम. अल्मेडा बताते हैं कि यदि आप बिल्कुल ही तनाव नहीं लेते हैं तो उससे आपका बौद्धिक कामकाज कमजोर पड़ सकता है। उनका कहना है कि मान लीजिए कि जूम मीटिंग के दौरान अचानक ही आपका कंप्यूटर खराब हो जाए तो उस समय जो तनाव पैदा होता है, उससे आप अपने कंप्यूटर को ठीक करने की कोशिश करते हैं। परेशानी पैदा होने के बावजूद वह स्थिति आपको अपनी समस्या का समाधान करने का मौका उपलब्ध कराता है, जिससे आपके बौद्धिक गतिविधियों में इजाफा होता है।

अब तक यह बात कही जाती रही है कि तनाव के कारण लोगों में नकारात्मकता बढ़ती है, भावनात्मक रूप से कमजोर भी होते हैं तथा क्रानिक बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। लेकिन अल्मेडा का कहना है कि यदि आपको थोड़ा-सा तनाव होता है तो उससे पार पाने पर आप अच्छा भी महसूस करते हैं।

शोध में दो हजार से ज्यादा लोगों का एकत्र किया गया डाटा

इमोशन नामक जर्नल में प्रकाशित इस शोध के लिए 2,711 लोगों के डाटा एकत्र किए गए। शोध शुरू किए जाने से पहले सभी सहभागियों की संक्षिप्त बौद्धिक जांच की गई। उसके बाद लगातार आठ रात उनका साक्षात्कार लिया गया, जिसमें उनसे सवाल-जवाब किए गए। उस दौरान उनका मूड, पुरानी बीमारी की स्थिति, उनके लक्षण जैसे कि सिरदर्द, कफ या गला खराब होने जैसे तकलीफों तथा दिनभर की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली गई।

इस आधार पर जुटाए गए आंकड़ों के विश्लेषण में पाया गया कि जिन 10 फीसद लोगों ने कोई तनाव नहीं होने, पुरानी बीमारियों का प्रकोप कम होने और मूड अच्छा रहने की बात बताई, उनकी बौद्धिक जांच का परिणाम कमजोर रहा। इसके साथ ही उन लोगों ने दिनभर में घटित सकारात्मक घटनाओं को भी मानसिक तौर पर पूरी शिद्दत से महसूस नहीं कर सके।

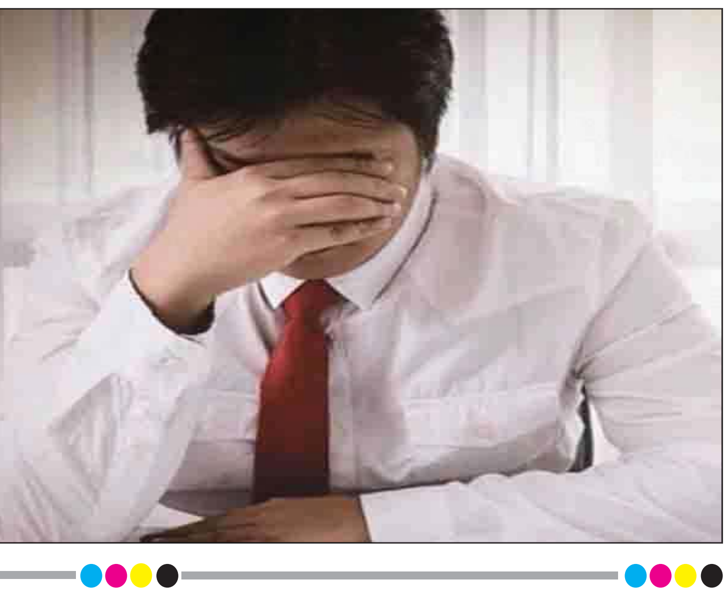

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोदी सरकार का फैसला,

कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज में कम से कम 6-8 सप्ताह अंतराल जरुरी

नई दिल्ली।

देश में चल रहे कोरोना टीकाकरण अभियान के बीच केंद्र ने कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज को लेकर अहम फैसला लिया है। मोदी सरकार ने कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी डोज पहली डोज से कम से कम 6-8 सप्ताह के बाद लगाने के लिए कहा है। यह फैसला सिर्फ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाई जा रही कोविशील्ड वैक्सीन पर ही लागू होगा, जबकि को-वैक्सीन की दूसरी डोज पहले जैसे ही तय समय-सीमा के अंतराल पर ही लगेगी। केंद्र सरकार ने कहा है कि नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्युनाइजेश और एक्सपर्ट ग्रुप के फैसले के आधार पर यह कदम उठाया गया है। टीकाकरण अभियान के लिए देश में दो वैक्सीन को मंजूरी मिली है। एक एसआईआई द्वारा बनी कोविशील्ड है, जबकि दूसरी वैक्सीन भारत बायोटेक की कोवैक्सीन है। अभी कोविशील्ड वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज के बीच 28 दिनों का अंतराल है, या फिर 4-6 सप्ताह का अंतराल होता है। हाल ही में केंद्र सरकार ने एसआईआई को कोविशील्ड वैक्सीन की 10 करोड़ डोज और तैयार करने को कहा है।इसकी मुख्य वजह देश में कोरोना टीकाकरण अभियान में तेजी लाना है। अभी तक एसआईआई साढ़े छह करोड़ से ज्यादा डोज सरकार को दे चुकी है। इसके अलावा, छह करोड़ से अधिक टीके की खुराक 76 देशों को भेजी जा चुकी हैं, जबकि देश में लोगों को अब तक साढ़े चार करोड़ खुराक लगी हैं। मालूम हो कि देश में मध्य जनवरी से कोरोना टीकाकरण अभियान चल रहा है। सबसे पहले हेल्थ वर्कर्स को कोविड वैक्सीन लगवाई गई, जिसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को लगी। दूसरे फेज की शुरुआत एक मार्च से हुई है। इसके तहत अभी 60 साल से अधिक उम्र वालों को कोरोना वैक्सीन लग रही है। वहीं, जिन लोगों की उम्र 45 साल से अधिक है और वे को-मॉर्बिडिटीज से पीड़ित हैं, वे भी कोरोना की वैक्सीन लगवा सकते हैं।

100 करोड़ की घूस का आरोप, पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट,परमबीर ने की सीबीआई जांच की मांग

मुंबई।

मुंबई पुलिस कमिश्नर पद से हटाए गए परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए रिश्वत के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। परमबीर सिंह ने सीएम उद्धव ठाकरे को हाल ही में एक पत्र लिखा था। इसमें कहा गया था कि असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सचिन वझे को गृह मंत्री अनिल देशमुख का संरक्षण था और उन्होंने वझे से हर महीने 100 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था।परबीर सिंह ने याचिका में कहा है कि 100 करोड़ रुपए कलेक्ट करने के टारगेट वाली बात उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को भी बताई थी। लेकिन कुछ दिन बाद ही उनका ट्रांसफर कर दिया गया। उन्होंने अपने ट्रांसफर के आदेश को भी चुनौती दी है। उनका कहना है कि ट्रांसफर-पोस्टिंग पर अफसर रश्मि शुक्ला की रिपोर्ट की जांच की जानी चाहिए। परमबीर का दावा है कि गृह मंत्री देशमुख सचिन वझे के साथ अपने बंगले पर लगातार बैठक कर रहे थे। इसी बैठक के दौरान 100 करोड़ कलेक्शन का टारगेट दिया गया था। उन्होंने देशमुख के बंगले के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की मांग भी की है, ताकि सच सबके सामने आ सके। चिट्ठी में यह भी कहा गया कि अपने गलत कामों को छुपाने के लिए मुझे बलि का बकरा बनाया गया है। परमबीर सिंह ने याचिका में अपने आरोपों से जुड़े कई सबूत भी सुप्रीम कोर्ट को सौंपे हैं। बताया जा रहा है कि शीर्ष अदालत ने याचिका मंजूर कर ली है। सुप्रीम कोर्ट में उनका पक्ष सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी रखेंगे।

परमबीर ने चिट्ठी में लिखा- गृह मंत्री ने टारगेट दिया

चिट्ठी में परमबीर ने लिखा, आपको बताना चाहता हूं कि महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वझे को कई बार अपने आधिकारिक बंगले ज्ञानेश्वर में बुलाया और फंड कलेक्ट करने के आदेश दिए। उन्होंने यह पैसे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नाम पर जमा करने के लिए कहा। इस दौरान उनके पर्सनल सेक्रेटरी मिस्टर पलांडे भी वहां पर मौजूद रहते थे। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सचिन वझे को हर महीने 100 करोड़ रुपए जमा करने का टारगेट दिया था।

शरद पवार को भी इस मामले की जानकारी दी

परमबीर सिंह ने आगे लिखा, मैंने इस मामले को लेकर डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार और एनसीपीचीफ शरद पवार को भी ब्रीफ किया है। मेरे साथ जो भी घटित हुआ या गलत हुआ इसकी जानकारी मैंने शरद पवार को भी दी है।

राष्ट्रपति कोविंद ने पत्नी संग भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर लिया आशीर्वाद, की पूजा-अर्चना

भुवनेश्वर। देश के शीर्ष पद पर विराजमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को पत्नी संग यहां भगवान जगन्नाथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति तीन दिवसीय ओडिशा दौरे के अंतिम दिन यहां राज्य के राज्यपाल गणेशी लाल और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ यहां सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर पहुंचे। वह भगवान विष्णु के12वीं शताब्दी में बने इस मंदिर में करीब 40 मिनट तक रहे। राष्ट्रपति मंदिर के गर्भ गृह में गये और उन्होंने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन किए। पुरी के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव और मंदिर के मुख्य प्रशासक कृष्णकुमार ने राष्ट्रपति का मंदिर के सिंह द्वार पर स्वागत किया। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित मां विमला और महालक्ष्मी की भी पूजा की। राष्ट्रपति के स्वागत में मंदिर को फूलों से विशेष तौर पर सजाया गया था और यहां की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि कोविंद ने मंदिर के विकास के लिए एक लाख रुपये का दान दिया। इससे पहले वह 2018 में इस मंदिर में आए थे। राष्ट्रपति के आने से आधे घंटे पहले से आम लोगों के मंदिर प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई थी तथा ग्रैंड रोड के दोनों तरफ सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान और दुकानें सुरक्षा कारणों से बंद कर दी गई थीं।

भाजपा का मुफ्त राशन का वादा झूठा, वह इसे कभी नहीं करेगी पूरा : ममता

कोतुलपुर, पश्चिम बंगाल । पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार की सरगर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि वह विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मुफ्त राशन की आपूर्ति का झूठा वादा कर रही है जिसे वह 'कभी पूरा नहीं करेगी'। बांकुड़ा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा को 'बाहरी लोगों की पार्टी' बताया और आरोप लगाया कि वह 'आतंक पैदा करने के लिए राज्य में गुंडों को ला रही है।' बनर्जी ने कहा, 'भाजपा ने मुफ्त राशन देने का झूठा वादा किया है जो वह कभी पूरा नहीं करने वाली। भाजपा के गुंडे आपके घर आकर अपनी पार्टी के लिए वोट मांगेंगे। ये लोग यदि आपको धमकाते हैं तो उन्हें खदेड़ने के लिए अपने घरों के बरतन हाथों में लेकर तैयार रहें।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं के लिए आदेश जारी कर रही है कि उन्हें क्या पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए। बनर्जी ने कहा, 'वे आपको यह सोचने पर मजबूर करेंगे कि नरेंद्र मोदी बीआर आंबेडकर से बड़े हैं।' बनर्जी ने कहा, 'आपने देखा, कैसे गुजरात में एक क्रिकेट स्टेडियम का नाम मोदी के नाम पर रख दिया गया? एक दिन वे देश का भी नाम बदलकर रख देंगे, वे सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हाथों में दे रहे हैं।'

अयोध्या में राम मंदिर के लिए इन्दौर के समाजसेवी टीकमचंद गर्ग ने दिया एक करोड़ रू. का चेक -

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को समर्पित की श्रद्धानिधि

इन्दौर । अयोध्या में बन रहे भव्य राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए अग्रवाल समाज के प्रमुख समाजसेवी टीकमचंद गर्ग एवं कल्याण ग्रुप से जुड़े उनके चारों भाईयों ने विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय को एक करोड़ रू. की श्रद्धानिधि समर्पित की। इस मौके पर विहिप के प्रमुख स्व. अशोक सिंघल का पुण्य स्मरण करते हुए गर्ग परिवार के सदस्यों ने अपनी पुरानी स्मृतियां ताजा की। जिस दिन राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था, उस दिन कल्याण समूह परिवार ने अपने द्वारा संचालित सभी टोल नाको एवं दफ्तरों में दिनभर लड्डू बांटे थे। स्व. सिंघल जब भी इन्दौर आते थे, गर्ग परिवार की मेहमाननवाजी अवश्य स्वीकार करते थे। आज गर्ग परिवार ने चंपत राय को एक करोड़ रू. की श्रद्धानिधि मंदिर निर्माण के लिए समर्पित की। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाजसेवी विष्णु बिंदल, विहिप के मालवा प्रांत के संगठन मंत्री नंददास, प्रांतीय मंत्री सोहनजी, प्रांत सेवा प्रमुख मुकेश जैन, इन्दौर विभाग के कार्यवाह रूपेश पाल एवं अनिलजी, गर्ग परिवार के विष्णु गर्ग, श्याम गर्ग, शिव गर्ग एवं राजेश गर्ग के साथ दिल्ली से आए कविश जैन, डॉ. योगेंद्र उपाध्याय भी उपस्थित थे। चंपत राय ने गर्ग परिवार के इस योगदान के लिए उन्हें साधुवाद दिया और परिवार के सभी सदस्यों के साथ भोजन के बाद तस्वीरें भी खिंचवाई।

यूपी में एक दिन में 500 से अधिक कोरोना संक्रमित मिले

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घटे में राज्य के अलग अलग जिलों में कोविड-19 के 542 नये मरीज मिले हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को यहां बताया कि कल एक दिन में कुल एक लाख 35 हजार 257 सैम्पल की जांच की गयी। जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक जांचे आरटीपीसीआर के माध्यम से की गयी हैं। प्रदेश में अब तक कुल तीन करोड़ 37 लाख 15 हजार 631 सैम्पल की जांच की गयी है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 542 नये मामले आये हैं। उन्होने बताया कि प्रदेश में 3,396 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। प्रदेश में कोविड-19 से ठीक होने का प्रतिशत 98 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 5,95,920 लोग कोविड-19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सप्ताह के छह दिन सोमवार से शनिवार एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार,

गुरूवार और शुक्रवार तक कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज भी कोविड वैक्सीनेशन बड़े स्तर पर किया जा रहा है। अभी तक जानकारी के अनुसार एक लाख से अधिक कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया गया है। अब तक कुल 40 लाख से अधिक कोविड वैक्सीनेशन की डोज लगायी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जो लोग अन्य प्रांतों से आ रहे वे अपनी कोविड-19 की जांच अवश्य करायें। जैसे देखने को मिला है कि कई लोगों की जांच की गई जिसमें से पॉजिटिव पाये जा रहे हैं।

रेलवे के यूज एंड थ्रो बेडरोल किट की नहीं मुसाफिरों में मांग, दिनभर में 50 खरीदार भी नहीं मिलते

नई दिल्ली।

कोरोना के खतरे को देखकर रेलवे ने ट्रेनों में मिलने वाले लिनेन और ब्लैंकेट (चादर-कंबल) की सेवा बंद कर रखी है। कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए इस तरह के एहतियाती कदम उठाए हैं। इसकी जगह पर रेलवे स्टेशनों पर यूज एंड थ्रो लिनेन और ब्लैंकेट की ब्रिकी कर रहे है। इसकी कीमत 300 से 325 रुपए तक रखी गई है। लेकिन हालत यह है कि दिल्ली स्टेशन पर भी बेडरोल किट के खरीदार नहीं मिल रहे हैं। नई दिल्ली स्टेशन से रोजाना 50 से ज्यादा ट्रेनें रवाना होती हैं, जिनमें लगभग 50000 मुसाफिर सफर करते हैं, लेकिन बेडरोल किट के 50 खरीदार भी नहीं मिलते है। रेलवे के द्वारा यूज एंड थ्रो बेडरोल किट में मुसाफिरों को ट्रेन में इस्तेमाल के लिए ब्लैंकेट, बेडशीट, एयर पिलो, टूथ पेस्ट, टूथ ब्रश, पेपर शोप, सैनेटाइजर पाउच, टिशू पेपर वगैरह दिए जा रहे हैं। हालांकि इनमें से कुछ चीजें मुसाफिर अपने साथ लेकर चलते हैं और साबुन या सैनेटाइजर जैसी चीजें ट्रेन में रहती हैं। यानी केवल यूज एंड थ्रो बेड शीट, टिशू पेपर और ब्लैंकेट के लिए 300 रुपए चुकाना मुसाफिरों को काफी महंगा सौदा है। इसकारण नई दिल्ली जैसे बड़े स्टेशनों पर भी इसकी मांग नहीं के बराबर है। नई दिल्ली से रवाना होने वाली 50 से ज्यादा ट्रेनों के यात्री स्टेशन पर मौजूद स्टॉल से ये किट नहीं खरीदते। दुकानदारों का कहना है कि बेडरोल किट की सेल नहीं है, कोई मुसाफिर मांग नहीं करता है।बता दें कि ज़्यादातर रेलवे स्टेशनों पर मल्टी पर्पस स्टॉल पर लिनेन पैकेट की बिक्री होती है।हालांकि कई बड़े रेलवे स्टेशनों पर इसके लिए खास स्टॉल भी हैं। रेलवे बेडरोल किट की बिक्री खुद नहीं कर रहा है, बल्कि इसके लिए उसने कॉन्ट्रैक्ट दे रखा है। लेकिन इतनी ऊंची कीमत की वजह से इसतरह काउंटर आमतौर पर खाली ही नजर आते हैं।यहां ट्रेन में इस्तेमाल करने के लिए ब्लैंकेट की कीमत 150 रुपए है, जबकि यूज एंड थ्रो बेडशीट, एयर पिलो, सैनेटाइजर पाउच वगैरह के पैकेट के लिए अलग से 150 रुपए देना पड़ता है। साथ में एक सर्जिकल मास्क फ्री मिल रहा है। दुकानदारों का कहना है कि दिनभर में 6-7 ब्लैंकेट की सेल ही मुश्किल से हो पाती है। वहीं 30 आसपास लिनेन पैक की ही बिक्री होती है।

बीमा संशोधन विधेयक लोकसभा से भी पारित, विदेशी कंपनियों के पास मालिकाना हक

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआई पर संसद की मुहर

-एआरडीएआई की सिफारिश पर बढ़ाई एफडीआई सीमा

नई दिल्ली ।

देश में इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआई पर अब संसद की मुहर लग गई है। राज्यसभा इससे जुड़े बीमा संशोधन विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है जबकि सोमवार को लोकसभा ने भी इसको पास कर दिया। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ये जल्द ही कानून बन जाएगा।

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 फीसदी एफडीआईकी अनुमति के बाद बीमा कंपनियों का मालिकाना हक विदेशी कंपनियों के पास होगा। लेकिन सरकार ने इस पर कुछ सुरक्षा उपाय भी अपनाए हैं।

देश का पैसा देश में रहेगा

इंश्योरेंस सेक्टर में 74 प्रतिशत एफडीआई के बावजूद विदेशी कंपनियां प्रीमियम से जुटाए जाने वाले पैसे को देश से बाहर नहीं ले जा सकेंगीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दोनों सदनों में बिल पर चर्चा के बाद जवाब दिया और इस बात को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रीमियम से जमा होने वाले पैसे का निवेश बीमा कंपनियों को देश में ही करना होगा।

अहम पद भारतीयों के पास

विधेयक के बारे में सरकार ने स्पष्ट किया है कि भले बीमा क्षेत्र में 74 प्रतिशत एफडीआई होगी, लेकिन कंपनियों में अहम पदों पर भारतीय ही नियुक्त किए जा सकेंगे। इतना ही नहीं 50 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशक भी भारतीय होंगे। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के बाद निर्मला सीतारमण ने कहा था कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सिर्फ ऊपरी सीमा 74 प्रतिशत तय की जा रही है। इसका मतलब ये नहीं कि ये अनिवार्य शर्त है या सभी कंपनियों में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी विदेशी कंपनियों की हो जाएगी। बल्कि बीमा कंपनियां अपनी पूंजी जरूरत के हिसाब से निर्णय करके अधिकतम 74 प्रतिशत विदेशी निवेश हासिल कर सकेंगी।

सरकारी कंपनियों को देंगे पूंजी

लोकसभा में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को पूंजी जरूरतों के लिए सरकार पैसा देगी, लेकिन निजी क्षेत्र की कंपनियों को खुद से पूंजी जुटानी होगी।

बीमा की पहुंच, प्रीमियम सस्ता

बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने को लेकर सरकार की ओर से संसद में कहा गया कि इससे बीमा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बीमा प्रीमियम की दरें भी प्रतिस्पर्धी बनेंगी। इससे देश के लोगों के बीच बीमा की पहुंच बढ़ेगी।

बीमा क्षेत्र पूर्णतया विनियमित क्षेत्र

राज्यसभा में बिल पर चर्चा के जवाब में निर्मला सीतारमण ने कहा था कि देश में बीमा क्षेत्र सबसे अधिक विनियमित क्षेत्र है। इस क्षेत्र में नियामक हर बीमा उत्पाद से लेकर, बीमा क्षेत्र में निवेश, उसकी मार्केटिंग सब तय करता है। सरकार ने भी प्रावधान किया है कि बीमा क्षेत्र में आने वाला पैसा देश के भीतर ही निवेश किया जाएगा। उन्होंने सोमवार को लोकसभा में कहा कि इस क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने का निर्णय भी बीमा क्षेत्र नियामक एआरडीएआई की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस का आरोप, पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली । राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही है। नए खान विधेयक के जरिए वह राज्यों के अधिकार अपने हाथों में लेने के प्रयास में लगी है। उच्च सदन में खनन और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2021 पर हुई चर्चा में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि खनिज संसाधन व्यापक विषय है और करीब एक करोड़ लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं। लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रीय नीति बनाते समय इस पर पर्याप्त चर्चा नहीं की। उन्होंने कहा कि संसद में भी उस नीति पर चर्चा नहीं हुई। सिंह ने कहा कि यह विडंबना है कि जहां सबसे ज्यादा खनिज संसाधन हैं, वहीं सबसे ज्यादा गरीब हैं और उनमें भी अधिकतर आदिवासी हैं। उन्होंने विभिन्न रिपोर्टों का जिक्र करते हुए कहा कि ओड़िशा झारखंड आदि राज्यों के कई जिलों में आबादी के बड़े हिस्से की आय पांच हजार रूप से भी कम है, जबकि वे इलाके खनिज संसाधनों से संपन्न हैं। सिंह ने कहा कि यह एक मुद्दा है और नए कानून बनाते समय गरीबों, मजदूरों और आदिवासी लोगों के हितों पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार पूंजीपतियों के पक्ष में काम कर रही है और राज्यों का अधिकार छीनने में लगी है। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि 'एक राष्ट्र, एक पार्टी, एक नेता ' ध्येय वाली यह सरकार सदन ही नहीं देश को भी गुमराह कर रही है। उन्होंने इस विधेयक को सदन की प्रवर समिति में भेजने की मांग करते हुए एक संशोधन भी पेश किया। उन्होंने कहा कि कृषि से संबंधित विधेयकों को विस्तृत चर्चा के लिए अगर प्रवर समिति में भेजा जाता। तब आज किसानों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं आती। सिंह ने कहा कि यह सरकार खानों के आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का दावा करती रही है लेकिन प्रतिस्पर्धी निविदा का प्रस्ताव मनमोहन सिंह की तत्कालीन सरकार ने ही किया था लेकिन उस समय भाजपा शासित राज्य सरकारों ने विरोध किया था। इससे पहले खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने खान और खनिज विधेयक चर्चा के लिए रखा और कहा कि इसका मकसद खदानों की नीलामी एवं आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना एवं कारोबार के अनुकूल माहौल तैयार करना है।

भाजपा-राजग के तीन उम्मीदवारों से जुड़ी याचिका केरल उच्च न्यायालय ने खारिज की

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को भाजपा-राजग के तीन उम्मीदवारों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जो विधानसभा चुनाव में उनके नामांकन को रद्द करने की चुनौती देने के लिए दायर की गई थीं। न्यायमूर्ति एन नागरेश ने निर्वाचन आयोग के मत को स्वीकार किया कि एक बार चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद अदालत हस्तक्षेप नहीं करती। भाजपा के एन हरिदास और निवेदिता सुब्रमण्यम तथा सहयोगी दल अन्नाद्रमुक की उम्मीदवार आर एम धनलक्ष्मी ने अपना नामांकन रद्द होने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उनके नामांकन पत्र अधूरे होने के कारण , नामांकन रद्द कर दिया गया था। हरिदास ने थालासेरी (कन्नूर) और निवेदिता ने गुरुवयूर (त्रिशूर) से पर्चा दाखिल किया था और अन्नाद्रमुक की धनलक्ष्मी ने इडुक्की जिले के देवीकुलम से नामांकन भरा था। इन सीटों पर छह अप्रैल को मतदान होगा।

एफआईयू की रिपोर्ट में खुलासा, कोविड-19 के कारण इलेक्ट्रोनिक तथा साइबर अपराध बढ़ सकते

नई दिल्ली । भारत की आर्थिक खुफिया इकाई (एफआईयू) के प्रमुख ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि कोविड-19 के कारण हुई 'उथल-पुथल' नए तरह के इलेक्ट्रोनिक तथा साइबर अपराधों को 'जन्म' दे सकती है। संघीय संगठन एफआईयू ने पिछले साल उच्च जोखिम या महत्वपूर्ण संदिग्ध लेन-देन से निपटने के लिये विशेष इकाई का गठन किया था। एफआईयू-भारत के निदेशक पंकज कुमार मिश्रा ने हाल ही में जारी एजेंसी की (2019-20) की वार्षिक रिपोर्ट में लिखा है, वित्त वर्ष 2019-20 कोविड-19 के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण साल साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कोविड-19 से उत्पन्न उथल-पुथल इलेक्ट्रोनिक धोखाधड़ी तथा साइबर अपराधों को 'जन्म' दे सकती है।' एफयूआई विशेष रूप से धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से संबंधित संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे सूचना एकत्रीकरण, विश्लेषण और प्रसार के लिए देश के वित्तीय क्षेत्र और कानून कार्यान्वयन एजेंसियों के बीच कड़ी के रूप में काम करती है। एफआईयू प्रमुख ने कहा कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों की तरह जानकारी एकत्रित करने वाली संस्थाओं को भी कोरोना के दौरान उभर रहे नए तरीकों और रुझानों की पहचान करने के लिए अपने सिस्टम को और मजबूत करना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफआईयू को 2018-19 में संदिग्ध लेन-देन की 3.23 लाख से अधिक खबरें मिली थीं। 2019-20 के दौरान ऐसी करीब 5.47 लाख खबरें मिलीं।

विपक्षी दल सत्ता में आया तो असम में अंधेरे दिन शुरू हो जाएंगे : जेपी नड्डा

तिनखोंग, असम । असम में विधानसभा प्रचार चरम पर चल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर अवसरवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यदि विपक्षी दल सत्ता में आया तो असम में अंधेरे दिन शुरू हो जाएंगे। नड्डा ने डिब्रूगढ़ जिले के तिनखोंग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा असम की जनता की रक्षा व सेवा में सदैव आगे रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य अवसरवाद की राजनीतिक करना है। वह केरल में मुस्लिम लीग के साथ मिलकर माकपा के खिलाफ चुनाव लड़ रही है और पश्चिम बंगाल तथा असम में उससे हाथ मिला लिया है। भाजपा नेता ने कहा कि हाथी की तरह कांग्रेस के दांत भी खाने के कुछ आर तथा दिखाने के कुछ और हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा कहती कुछ है जबकि करती कुछ और है...वह समाज को बांट रही है। नड्डा ने कांग्रेस पर हमले जारी रखते हुए कहा कि विपक्षी दल के सत्ता में आने का अर्थ अंधेरे दिनों की शुरुआत है जबकि भाजपा का मतलब विकास है। उन्होंने कहा, यदि आप अंधेरा चाहते हैं तो कांग्रेस के साथ चले जाएं। लेकिन यदि आप विकास चाहते हैं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथ थाम लें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)